License Information

Translation Notes (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Notes, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

Translation Notes (unfoldingWord)

सपन्याह 1:1 (#1)

"सपन्याह के पास ... यहोवा का यह वचन पहुँचा"

इस पुस्तक के शीर्षक में, **वचन** शब्द उस सन्देश को सन्दर्भित करता है जो यहोवा ने सपन्याह के माध्यम से यहूदियों को भेजा था। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सन्देश जो यहोवा ने सपन्याह के माध्यम से भेजा"

देखें: लक्षणालंकार

सपन्याह 1:1 (#2)

"हिजकिय्याह के पुत्र अमर्याह का परपोता और गदल्याह का पोता और कूशी का पुत्र"

लेखक **सपन्याह** के पूर्वजों का वर्णन कर रहे हैं ताकि पाठक उनसे परिचित हो सकें, क्योंकि वह पुस्तक में एक महत्वपूर्ण किरदार को निभाते हैं, वही व्यक्ति जिसके माध्यम से यहोवा ने वे सन्देश व्यक्त किए जो पुस्तक में दर्ज हैं। आपकी संस्कृति में भी लोगों को उनके पूर्वजों का वर्णन करके परिचित कराने का एक तरीका हो सकता है, और यदि ऐसा है, तो आप इसे यहाँ अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं।

देखें: नए और पुराने प्रतिभागियों का परिचय

सपन्याह 1:1 (#3)

"**सपन्याह**" - "**कूशी,**" - "**गदल्याह,**" - "**अमर्याह,**" - "**हिजकिय्याह,**" - "**योशिय्याह**" - "**आमोन**"

शब्द **सपन्याह**, **कूशी**, **गदल्याह**, **अमर्याह**, **हिजकिय्याह**, **योशिय्याह**, और **आमोन** पुरुषों के नाम हैं।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

सपन्याह 1:1 (#4)

"आमोन के पुत्र यहूदा के राजा योशिय्याह के दिनों में"

इस शीर्षक में, **दिनों** का अर्थ एक विशिष्ट समय है, जब **योशिय्याह यहूदा के राजा** के रूप में शासन कर रहे थे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आमोन के पुत्र योशियाह, यहूदा के राजा के शासनकाल के दौरान"

देखें: मुहावरा

सपन्याह 1:2 (#1)

"मैं धरती के ऊपर से सब का अन्त कर दूँगा," यहोवा की यही वाणी है"

सपन्याह वाक्यांश **यहोवा की यही वाणी है** का उपयोग यह संकेत करने के लिए कर रहे हैं कि वे यहोवा द्वारा यहूदा के लोगों के लिए दिए गए सन्देश का उद्धरण कर रहे हैं। अपनी भाषा में प्रत्यक्ष उद्धरण की पहचान करने के स्वाभाविक तरीकों पर विचार करें। यह आपके लिए अधिक स्वाभाविक हो सकता है कि इस कथन को यहोवा से जोड़कर कथन से पहले रखें, जैसा कि अनफोल्डिंग वर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यहोवा की यही वाणी है: 'मैं पृथ्वी के ऊपर से सब कुछ समाप्त कर दूँगा'"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

सपन्याह 1:2 (#2)

"मैं धरती के ऊपर से सब का अन्त कर दूँगा"

जब यहोवा कहते हैं कि वे पृथ्वी की सतह पर **सब का अन्त** करने जा रहे हैं, तो वे शायद जोर देने के लिए अतिशयोक्ति का उपयोग कर रहे हैं। वे यह व्यक्त करना चाहते हैं कि वे लोगों की पापपूर्ण अवज्ञा से कितने क्रोधित हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप जोर देने का एक अलग तरीका दिखा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं पृथ्वी पर बहुत बड़ा विनाश लाऊँगा"

देखें: अतिशयोक्ति

सपन्याह 1:2 (#3)

"मैं ... सब का अन्त कर दूँगा"

यहोवा एक क्रिया और समान अर्थ वाली एक भिन्न क्रिया को एक साथ प्रयोग कर रहे हैं, ताकि इन क्रियाओं द्वारा व्यक्त विचार को और अधिक प्रबल किया जा सके। आमतौर पर इस संरचना में, वही क्रिया दो बार उपयोग की जाती है। लेकिन यहाँ काव्यात्मक प्रभाव और जोर देने के लिए समान ध्वनि और अर्थ वाली दो क्रियाओं का उपयोग किया गया है।

यदि आपकी भाषा में तीव्रता के लिए क्रियाओं को दोहराया जा सकता है, तो यह आपके अनुवाद में यहाँ उपयुक्त होगा। यदि आपके पास समान ध्वनि और अर्थ वाली दो क्रियाएँ हैं जिन्हें आप उपयोग कर सकते हैं, तो यह यहाँ काव्यात्मक प्रभाव को दर्शाएगा। आपकी भाषा में जोर देने का कोई अन्य तरीका भी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं सब कुछ पूरी तरह से नष्ट कर दूँगा"

देखें: पुनरावृत्ति

सपन्याह 1:2 (#4)

"धरती के ऊपर"

मूल भाषा में यहाँ **धरती के मुख** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **धरती के ऊपर** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे पृथ्वी या जमीन की सतह वास्तव में उसका **मुख** हो। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पृथ्वी की सतह"

देखें: रूपक

सपन्याह 1:3 (#1)

"यहोवा की यही वाणी है"

देखें कि आपने पिछले पद में **यहोवा की यही वाणी है** वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया। यदि आपने इसे वहाँ उद्धरण प्रस्तुत करने के लिए उपयोग किया था, तो आप यहाँ भी वही कर सकते हैं।

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

सपन्याह 1:3 (#2)

"मैं मनुष्य और पशु दोनों का अन्त कर दूँगा"

यहोवा सृष्टि के तीन घटकों का उपयोग कर रहे हैं—भूमि के प्राणी, आकाश के प्राणी, और **समुद्र** के प्राणी—सृष्टि के सभी प्राणियों को अर्थ देने के लिए। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति या सरल भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं सृष्टि में हर जगह रहने वाले सभी प्राणियों को हटा दूँगा"

देखें: विभज्योतक

सपन्याह 1:3 (#3)

"मनुष्य और पशु"

यहाँ **मनुष्य** शब्द का एक सामान्य अर्थ है जो स्त्री और पुरुष दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से स्त्री और पुरुष दोनों को शामिल करे। वैकल्पिक अनुवाद: "मनुष्य और पशु ... मनुष्य"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

सपन्याह 1:3 (#4)

"मनुष्य और पशु"

यहोवा पृथ्वी पर रहने वाले दो प्रकार के जीवों का उपयोग कर रहे हैं, **मनुष्य** और **पशु**, जिसका अर्थ है पृथ्वी पर रहने वाले सभी जीव। यदि आप इस पद में सृष्टि के तीन अलग-अलग हिस्सों के सन्दर्भ को अपनी अनुवाद में बनाए रखना चाहते हैं, तो आप इस सन्दर्भ का अर्थ समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पृथ्वी पर रहने वाले सभी जीव"

देखें: विभज्योतक

सपन्याह 1:3 (#5)

"और दुष्टों समेत उनकी रखी हुई ठोकरों के कारण"

यहोवा विशेषण **दुष्टों** का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जिसका अर्थ एक विशेष प्रकार के व्यक्ति से है। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस विशेषण का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और ठोकर खाने वाले दुष्ट लोगों के साथ"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

सपन्याह 1:3 (#6)

"और ... ठोकरों"

यहोवा मूर्तियों के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वे सचमुच **ठोकर** के पत्थर हों, अर्थात् ऐसी वस्तुएँ जिनसे लोग ठोकर खा सकते हैं। वे ठोकर खाने का अर्थ नैतिक और आत्मिक रूप से गलत कार्य करना बता रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “और मूर्तियाँ”

देखें: रूपक

सपन्याह 1:3 (#7)

"दुष्टों समेत"

निहितार्थ यह है कि **दुष्ट** लोग जिनके बारे में यहोवा बात कर रहे हैं, वे नैतिक और आत्मिक रूप से गलत काम कर रहे हैं क्योंकि उनके कार्य मूर्तिपूजा में निहित मूल्यों द्वारा निर्देशित हो रहे हैं, न कि यहोवा की व्यवस्था द्वारा। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन लोगों के साथ जो दुष्ट हैं क्योंकि वे मूर्तियों की उपासना करते हैं।"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

सपन्याह 1:3 (#8)

"मैं मनुष्यजाति को भी धरती पर से नाश कर डालूँगा"

जब यहोवा कहते हैं कि वे पृथ्वी पर रहने वाले सभी लोगों को मार देंगे, जैसा कि पद 2 में है, तो वे जोर देने के लिए अतिशयोक्ति का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप जोर देने को एक अलग तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और जो दुष्ट लोग मेरी अवज्ञा कर रहे हैं, मैं उनका हत्या करके उनको दण्ड दूँगा"

देखें: अतिशयोक्ति

सपन्याह 1:3 (#9)

"मैं मनुष्यजाति को ... नाश कर डालूँगा"

यहाँ पर **मनुष्यजाति** शब्द का एक सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करती हो। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं सभी लोगों का संहार कर दूँगा"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

सपन्याह 1:3 (#10)

"मैं मनुष्यजाति को ... नाश कर डालूँगा"

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे वे पृथ्वी पर रहने वाले लोगों को ऐसे **नाश करने** जा रहे हों जैसे कोई पेड़ से डाली काटता है। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं सभी लोगों को नष्ट कर दूँगा" या "और मैं सभी लोगों को समाप्त कर दूँगा"

देखें: रूपक

सपन्याह 1:3 (#11)

"धरती पर से"

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद पिछले वचन में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "पृथ्वी की सतह"

देखें: रूपक

सपन्याह 1:4 (#1)

"मैं ... हाथ उठाऊँगा"

यहाँ, **हाथ** उस सामर्थ्य का प्रतिनिधित्व करता है जो किसी व्यक्ति के पास कुछ करने के लिए होता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप एक समकक्ष अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं या अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं अपनी सामर्थ्य का उपयोग करूँगा।"

देखें: लक्षणालंकार

सपन्याह 1:4 (#2)

"और इस स्थान में ... को नाश कर दूँगा"

देखें कि आपने पिछले पद में **नाश कर दूँगा** अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं इस स्थान से हटा दूँगा" या "और मैं इस स्थान से समाप्त कर दूँगा"

देखें: रूपक

सपन्याह 1:4 (#3)

"और इस स्थान में ... को नाश कर दूँगा"

जैसा कि इस अध्याय के सामान्य टिप्पणियाँ में चर्चा की गई है, यह वाक्यांश एक लिटनी (वाग्मितापूर्ण प्रश्न) की शुरुआत है। आप वचन 4–6 में सामग्री को कैसे प्रारूपित करें, इस पर विचार करने के लिए उस चर्चा का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: वाग्मितापूर्ण प्रश्न

सपन्याह 1:4 (#4)

"बाल के बचे हुओं"

यहोवा बाल के नाम का उपयोग बाल की उपासना, एक झूठे देवता के सन्दर्भ में कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बाल-उपासना का अवशेष"

देखें: लक्षणालंकार

सपन्याह 1:4 (#5)

"बाल के बचे हुओं"

इस समय तक **बाल** की उपासना **बचे हुओं** तक सीमित नहीं थी। जैसा कि सपन्याह के सामान्य परिचय में बताया गया है, भविष्यद्वक्ता ने यहूदा के लोगों को चेतावनी देने के लिए ये भविष्यवाणियाँ कीं कि उन्हें बाल की उपासना बन्द करनी होगी। इसलिए यहोवा इस अभिव्यक्ति का उपयोग यह दर्शाने के लिए कर रहे हैं कि वे बाल की उपासना को इतनी पूरी तरह से नष्ट कर देंगे कि कुछ भी नहीं बचेगा—कोई अवशेष नहीं रहेगा। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “बाल उपासना का हर अन्तिम निशान”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

सपन्याह 1:4 (#6)

"याजकों समेत देवताओं के पुजारियों के नाम"

यहोवा कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हाँ, मैं मूर्ति-पुजारियों के नाम को याजकों के साथ काट दूँगा" या "हाँ, मैं मूर्ति-पुजारियों के नाम को याजकों के साथ नष्ट कर दूँगा"

देखें: पदलोप

सपन्याह 1:4 (#7)

"के नाम"

यहाँ, **नाम** एक व्यक्ति की प्रतिष्ठा का प्रतिनिधित्व करता है, जो उस स्थान और समय से परे है जिसमें वह व्यक्ति व्यक्तिगत रूप से जाना जाता है। जब किसी का **नाम** इस अर्थ में नष्ट हो जाता है, तो कोई भी उस व्यक्ति को अब याद नहीं करता। वैकल्पिक अनुवाद: "की स्मृति"

देखें: लक्षणालंकार

सपन्याह 1:4 (#8)

"याजकों समेत"

शब्द **याजकों** सम्भवतः हारून के वंशज याजकों को सन्दर्भित करता है, जिन्हें इस्राएलियों को यहोवा की आराधना में अगुआई करना था। दुर्भाग्यवश, इस समय वे यहोवा की विश्वासपूर्वक सेवा नहीं कर रहे थे, जैसा कि सपन्याह 3:4 में कहा गया है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हारून के वंश से पतित याजकों के साथ”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

सपन्याह 1:5 (#1)

"जो लोग अपने-अपने घर की छत पर ... दण्डवत् करते हैं"

यहोवा कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होंगे। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं उन लोगों को भी नष्ट कर दूँगा जो आकाश की सेना के आगे छतों पर झुककर दण्डवत् करते हैं; और मैं उन लोगों को भी नष्ट कर दूँगा जो यहोवा की शपथ खाकर अपने राजा की शपथ खाते हैं।" या "और मैं उन लोगों को भी नष्ट कर दूँगा जो आकाश की सेना के सामने छतों पर दण्डवत् करते हैं; और मैं उन लोगों को भी नष्ट कर दूँगा जो यहोवा की शपथ खाते हुए अपने राजा की शपथ खाते हैं"

देखें: पदलोप

सपन्याह 1:5 (#2)

"जो लोग अपने-अपने घर की छत पर ... दण्डवत् करते हैं"

यहोवा की आराधना का एक पहलू, **दण्डवत् करना**, सामान्य रूप से आराधना के लिए उपयोग किया जाता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं उन लोगों को नष्ट कर दूँगा जो ...की सेना की आराधना करते हैं।"

देखें: उपलक्षण

सपन्याह 1:5 (#3)

"आकाश के गण को"

यहोवा सूर्य, चन्द्रमा, और तारों के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वे **आकाश** में एक **गण** हों। यदि आपकी भाषा में इसे स्पष्ट करना अधिक उपयुक्त हो, तो आप इसका अर्थ सीधे बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आकाशीय ग्रहों को"

देखें: रूपक

सपन्याह 1:5 (#4)

"और जो लोग दण्डवत् करते"

यहोवा अपने बारे में तृतीय पुरुष में बोल रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे प्रथम पुरुष में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग झुकते हैं और मुझसे शपथ लेते हैं"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

सपन्याह 1:5 (#5)

"और जो लोग दण्डवत् करते"

शब्द **दण्डवत्** और **शपथ** खाना समान अर्थ रखते हैं। वे दोनों आराधना को इंगित करते हैं; **दण्डवत्**, आराधना का एक पहलू, सामान्य रूप से आराधना का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि **शपथ** खाने का अर्थ है स्वयं को आराधना के रूप में यहोवा परमेश्वर को समर्पित करना। यहोवा इन दोनों शब्दों का उपयोग जोर देने के लिए कर रहे हैं क्योंकि, जैसा कि पद के शेष भाग से पता चलता है, यह आराधना पूरे दिल से नहीं थी। यदि यह आपके पाठकों के लिए स्पष्ट होगा, तो आप जोर को एकल वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग मुझे समर्पित रूप से आराधना करते हुए दिखाई देते हैं"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

सपन्याह 1:5 (#6)

"यहोवा की शपथ खाते हैं और मिल्कोम की भी शपथ खाते हैं"

मूल भाषा में यहाँ **मिल्कोम** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **उनका राजा** शब्द का प्रयोग हुआ है। **उनका राजा** शब्द का अनुवाद एक झूठे देवता का नाम हो सकता है, मिल्कोम, जिसे मोलेक भी कहा जाता है। यदि आप अपने अनुवाद में नाम का उपयोग करने का चयन करते हैं, तो इसे अपनी भाषा में जिस तरह से यह सुनाई देता है, उसी तरह से लिखें। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद मौजूद है, तो आप उस वर्तनी का उपयोग कर सकते हैं जो वह उपयोग करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी शपथ खाते हैं और मिल्कोम की भी शपथ खाते हैं"

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

सपन्याह 1:5 (#7)

"यहोवा की शपथ खाते हैं और मिल्कोम की भी शपथ खाते हैं"

यहोवा **शपथ खाते हैं** और **शपथ खाते हैं** के बीच एक अन्तर दिखा रहे हैं। यहूदी जिन्होंने यहोवा की **शपथ** ली, उन्होंने अपने आपको उनके परमेश्वर के रूप में आराधना करने के लिए प्रतिबद्ध किया। लेकिन फिर उन्होंने मिल्कोम के द्वारा शपथ ली, उस झूठे देवता के नाम का आह्वान करके उस मन्नत या वादे की निश्चितता दी जो उन्होंने किया था। यहोवा कह रहे हैं कि उनके लिए ऐसा करना कितना असंगत और अनुचित था। आप अपने पाठकों के लिए इसे स्पष्ट कर सकते हैं यदि यह सहायक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने आपको मेरी आराधना करने के लिए प्रतिबद्ध करना लेकिन फिर अपने वचनों की निश्चितता देने के लिए झूठे परमेश्वर मिल्कोम का आह्वान करना"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

सपन्याह 1:6 (#1)

"और जो यहोवा के पीछे चलने से लौट गए हैं"

यहोवा अपने बारे में तृतीय पुरुष में बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे प्रथम पुरुष में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और जो लोग मेरे पीछे चलने से लौटते हैं, और जो मुझे नहीं खोजते और मुझे नहीं ढूँढते हैं"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

सपन्याह 1:6 (#2)

"और जो यहोवा के पीछे चलने से लौट गए हैं"

यहोवा कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होंगे। आप इन शब्दों को सन्दर्भ से जोड़ सकते हैं यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा। यह वर्णन कर सकता है: (1) दो समूह, लोग जो अब सक्रिय रूप से यहोवा की आराधना नहीं कर रहे हैं और

वह लोग जो अभी भी औपचारिक रूप से यहोवा की आराधना करते हैं लेकिन जो सक्रिय रूप से उन्हें अपने परमेश्वर के रूप में नहीं मानते। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं उन लोगों को नष्ट कर दूँगा जिन्होंने सक्रिय रूप से मेरी आराधना करना बन्द कर दिया है, और मैं उन लोगों को नष्ट कर दूँगा जो अभी भी औपचारिक रूप से मेरी आराधना करते हैं लेकिन सक्रिय रूप से मुझे अपने परमेश्वर के रूप में नहीं मानते" (2) एक दल, वह लोग जो दिखाते हैं कि वे अब यहोवा की आराधना नहीं कर रहे हैं क्योंकि वे सक्रिय रूप से उन्हें अपने परमेश्वर के रूप में नहीं मानते। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं उन लोगों को नष्ट कर दूँगा जो दिखाते हैं कि उन्होंने मेरी आराधना करना बन्द कर दिया है क्योंकि वे सक्रिय रूप से मुझे अपने परमेश्वर के रूप में नहीं मानते"

देखें: पदलोप

सपन्याह 1:6 (#3)

"और जो यहोवा के पीछे चलने से लौट गए हैं"

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे यहूदी जिन्होंने उनकी आराधना करना बन्द कर दिया है, सचमुच एक रास्ते पर चल रहे हों और **पीछे चलने से लौट** रहे हों उस दिशा से जिसमें वे जा रहे थे। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं उन लोगों को नष्ट कर दूँगा जिन्होंने मेरी आराधना करना बन्द कर दिया है"

देखें: रूपक

सपन्याह 1:6 (#4)

"और जिन्होंने न तो यहोवा को ढूँढ़ा, और न उसकी खोज में लगे"

यहोवा **ढूँढ़ने** और **खोज** करने के भावों का उपयोग निम्न बातों के लिए कर सकते हैं: (1) दो समान चीजें। वह ऐसे बोल सकते हैं जैसे यहूदियों को सचमुच उन्हें ढूँढना चाहिए था, जिसका अर्थ है कि उन्हें उनसे प्रार्थना करनी चाहिए थी। इस मामले में यहोवा जोर देने के लिए दो समान शब्दों का उपयोग कर सकते हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट होगा, तो आप जोर को एक ही वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं उन लोगों को नष्ट कर दूँगा जो अब मुझसे बिल्कुल भी प्रार्थना नहीं करते" (2) दो अलग चीजें। **ढूँढ़ने** का भाव सहायता माँगने का अर्थ हो सकता है, और **खोजने** का भाव मार्गदर्शन माँगने का अर्थ हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं उन लोगों को नष्ट कर दूँगा जो अब मेरी सहायता या मार्गदर्शन नहीं माँगते"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

सपन्याह 1:7 (#1)

"परमेश्वर यहोवा के सामने शान्त रहो"

मूल भाषा में यहाँ **चेहरे** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **सामने** शब्द का प्रयोग हुआ है। यहाँ शब्द **चेहरे** एक व्यक्ति की उपस्थिति को दर्शाता है, जैसे लोग किसी उपस्थित व्यक्ति का चेहरा देख सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "प्रभु यहोवा की उपस्थिति में मौन रहें"

देखें: लक्षणालंकार

सपन्याह 1:7 (#2)

"परमेश्वर यहोवा के सामने शान्त रहो"

शब्द **शान्त** एक विस्मयादिबोधक है जो श्रोताओं से मौन रहने का आग्रह करता है। आपके अनुवाद में, आप इसे व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा में स्वाभाविक विस्मयादिबोधक चुन सकते हैं। आप इस शब्द का अनुवाद एक आदेश के रूप में भी कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "शान्त! प्रभु यहोवा की उपस्थिति में शान्त रहें"

देखें: विस्मयादिबोधक

सपन्याह 1:7 (#3)

"यहोवा का दिन निकट है"

अभिव्यक्ति **यहोवा का दिन** एक विशेष समय को सन्दर्भित करती है जब परमेश्वर लोगों को उनके पापों के लिए दण्ड देंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "वह समय जल्द ही आ रहा है जब यहोवा लोगों को उनके पापों के लिए दण्डित करेंगे"

देखें: मुहावरा

सपन्याह 1:7 (#4)

"यहोवा ने यज्ञ सिद्ध किया है"

सपन्याह यहोवा की ओर से इस प्रकार बोल रहे हैं मानो उन्होंने सचमुच **यज्ञ सिद्ध किया है** और जिन्हें उन्होंने **पवित्र** किया था, उन्हें बलिदान किए गए पशु के माँस से भोजन साझा करने के लिए विधिवत रूप से शुद्ध (**पवित्र**) किया हो। वह यहूदा के लोगों के बारे में इस प्रकार बोल रहे हैं मानो वे ही यह बलिदान हों, और एक शत्रु सेना, सम्भवतः कसदियों की, जैसे वह यहूदियों पर दावत करेगी, जिसका अर्थ है कि यह विदेशी

शक्ति उन्हें जीत लेगी और लूट लेगी, जैसा कि पद 13–16 में संकेत मिलता है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा एक विदेशी सेना को यहूदा की भूमि को जीतने और लूटने की अनुमति देने वाले हैं।”

देखें: रूपक

सपन्याह 1:7 (#5)

"अपने पाहुनों को"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "जिन्हें उन्होंने आमंत्रित किया है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

सपन्याह 1:8 (#1)

"और यहोवा के यज्ञ के दिन"

जैसा कि इस अध्याय के सामान्य टिप्पणियों में चर्चा की गई है, यह वाक्यांश एक प्रार्थना की शुरुआत है। आप वचन 8–9 में बताए गए बातों को कैसे प्रारूपित करें, इस पर विचार करने के लिए उस चर्चा का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: वाग्मितापूर्ण प्रश्न

सपन्याह 1:8 (#2)

"और यहोवा के यज्ञ के दिन"

यहोवा अपने बारे में तृतीय पुरुष में बोल रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे प्रथम पुरुष में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मेरे बलिदान के दिन”

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

सपन्याह 1:8 (#3)

"और यहोवा के यज्ञ के दिन"

जैसा कि सपन्याह ने पिछले वचन में किया था, यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे वे सचमुच एक बलिदान चढ़ाने जा रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस दिन जब मैं यहूदियों को उनके पापों के लिए दण्ड दूँगा"

देखें: रूपक

सपन्याह 1:8 (#4)

"यहोवा के यज्ञ के दिन"

देखें कि आपने पिछले पद में "यहोवा के दिन" वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "उस समय जब मैं तुम यहूदियों को तुम्हारे पापों के लिए दण्ड दूँगा"

देखें: मुहावरा

सपन्याह 1:8 (#5)

"मैं हाकिमों और राजकुमारों को ... भी दण्ड दूँगा"

मूल भाषा में यहाँ **मिलूँगा** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में दण्ड दूँगा शब्द का प्रयोग हुआ है। अंग्रेजी अभिव्यक्ति **विसिट अपॉन (हिन्दी में- मिलूँगा)** का अर्थ दण्ड देना होता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "कि मैं राजकुमारों और राजा के पुत्रों को दण्ड दूँगा और सभी विदेशी वस्त्र पहनने वालों को भी।"

देखें: मुहावरा

सपन्याह 1:8 (#6)

"हाकिमों"

कुछ भाषाओं में **हाकिमों** शब्द का अर्थ राजा के पुरुष प्रत्यक्ष वंशज होता है, लेकिन यहाँ इसका अर्थ सभा का अधिकारी है, जो शाही परिवार के सदस्य हो भी सकते हैं और नहीं भी। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सभा के अधिकारी"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

सपन्याह 1:8 (#7)

"राजकुमारों"

इसका अर्थ हो सकता है: (1) शाही परिवार के वास्तविक सदस्य। उस स्थिति में, शब्द **राजकुमारों** एक सामान्य अर्थ में होगा, जो पुरुषों और महिलाओं दोनों पर लागू होता है, और इसका अर्थ होगा न केवल वर्तमान राजा के शाब्दिक बच्चे बल्कि पिछले राजाओं के पोते और यहाँ तक कि बाद के वंशज भी। वैकल्पिक अनुवाद: "शाही परिवार" (2) वर्तमान

राजा, योशिय्याह के शाब्दिक पुत्र, जो इस समय सिर्फ बालक होते। इसका तात्पर्य यह है कि यहोवा यहूदियों को इतनी कठोरता से दण्डित करने जा रहे हैं कि बच्चों को भी नहीं बख्शा जाएगा। वैकल्पिक अनुवाद: "यहाँ तक कि राजा के छोटे बालक भी"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

सपन्याह 1:8 (#8)

"जितने परदेश के वस्त्र पहना करते हैं"

यहोवा एक चीज़ का उपयोग कर रहे हैं जो यहूदी विदेशी शक्तियों के साथ अनुकूलता प्राप्त करने के लिए कर रहे थे, वही **वस्त्र** पहनना जो वे पहनते थे, ताकि इसका मतलब उन सभी चीजों से हो जो वे अनुकूलता प्राप्त करने के लिए कर रहे थे, विशेष रूप से उनके देवताओं की पूजा करना शामिल है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी जिन्होंने विदेशी तरीकों को अपनाया है"

देखें: उपलक्षण

सपन्याह 1:9 (#1)

"उस दिन मैं उन सभी को दण्ड दूँगा"

देखें कि आपने पिछले पद में "उस दिन" और "मैं दण्ड दूँगा" का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "और जब मैं आप यहूदियों को दण्ड दूँगा, तब मैं दण्ड दूँगा"

देखें: मुहावरा

सपन्याह 1:9 (#2)

"जो डेवढ़ी को लाँघते"

अभिव्यक्ति **डेवढ़ी को लाँघते** ऐसा प्रतीत होता है कि यह लोगों के घरों में जबरन प्रवेश करने का संकेत देता है, जैसे कि जल्दी में, उनके सामान को **उपद्रव** या **छल** से कब्जा करने के इरादे से। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी जो अन्य लोगों के घरों में हिंसक रूप से प्रवेश करते हैं उनके सामान को कब्जा करने के इरादे से"

देखें: मुहावरा

सपन्याह 1:9 (#3)

"अपने स्वामी के घर को उपद्रव और छल से भर देते हैं"

मूल भाषा में यहाँ **स्वामियों** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **स्वामी** शब्द का प्रयोग हुआ है। यहोवा एकवचन शब्द "स्वामी" के स्थान पर बहुवचन **स्वामियों** का उपयोग कर रहे हैं। यह सुझाव देता है कि वे बहुवचन का उपयोग एक विशेषण के रूप में कर सकते हैं ताकि अपने वर्ग के सर्वोच्च उदाहरण को इंगित किया जा सके, इस मामले में यह यहूदियों के राजा, प्रभु या स्वामी का सन्दर्भ होगा। आपकी भाषा भी इसी तरह बहुवचन रूपों का उपयोग कर सकती है। यदि नहीं, तो आप अर्थ को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जिन्होंने अपने राजा के घर को हिंसा और धोखाधड़ी से भर दिया है" या "जिन्होंने शाही राजभवन को हिंसा और धोखाधड़ी से भर दिया है"

देखें: बहुवचन के असामान्य उपयोग

सपन्याह 1:9 (#4)

"उपद्रव और छल से"

यहोवा **उपद्रव** और **छल** शब्दों का उपयोग उन सम्पत्तियों के लिए कर रहे हैं जो दूसरों से हिंसा या धोखाधड़ी के आधार पर अवैध रूप से प्राप्त की गई हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन सम्पत्तियों के साथ जो उन्होंने उपद्रव या धोखाधड़ी से प्राप्त की हैं"

देखें: लक्षणालंकार

सपन्याह 1:10 (#1)

"उस दिन ... होगा"

देखें कि आपने वाक्यांश **यहोवा की यह वाणी है** का अनुवाद पद 2 और 3 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "यह यहोवा की घोषणा है: 'और उस दिन ऐसा होगा, चिल्लाहट'"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

सपन्याह 1:10 (#2)

"उस दिन"

देखें कि आपने पिछले वचन में "उस दिन" के भाव को कैसे अनुवादित किया। वैकल्पिक अनुवाद: "उस समय जब मैं तुम यहूदियों को तुम्हारे पापों के लिए दण्ड दूँगा"

देखें: मुहावरा

सपन्याह 1:10 (#3)

"के पास चिल्लाहट"

यहोवा कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। आप इन शब्दों को सन्दर्भ से जोड़ सकते हैं यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "कि लोग आवाज़ सुनेंगे"

देखें: पदलोप

सपन्याह 1:10 (#4)

"मछली फाटक के पास"

अभिव्यक्ति **मछली फाटक** प्राचीन नगर यरूशलेम की शहरपनाह में एक फाटक का नाम है। इसका नाम शायद इसलिए पड़ा क्योंकि इस फाटक के बाहर एक मछली बाजार स्थित था। यदि आपकी भाषा में "मछली" के लिए कोई शब्द है, तो आप इस नाम का अनुवाद करने के लिए उस शब्द का उपयोग कर सकते हैं। यदि नहीं, तो आप अपनी भाषा में इस नाम का अनुवाद वैसे कर सकते हैं जैसे यह दर्शाया गया है।

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

सपन्याह 1:10 (#5)

"नये टोले मिश्राह"

मूल भाषा में यहाँ **दूसरा जिला** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **नये टोले मिश्राह** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। शब्द **दूसरा** प्राचीन नगर यरूशलेम के जिलों में से एक का नाम है। अनफोल्डिंग वर्ड लिट्रल ट्रान्सलेशन इसे दिखाने के लिए **जिला** शब्द जोड़ता है। इस जिले का नाम शायद इसलिए पड़ा क्योंकि इसे मूल नगर में जोड़ा गया था। कुछ अनुवाद इसके लिए ऐसा नाम उपयोग करते हैं जो इसे इंगित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: “नया प्रदेश”

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

सपन्याह 1:10 (#6)

"टीलों पर"

यहोवा शब्द **टीलों** का उपयोग आस-पास की पहाड़ियों पर स्थित बस्तियों के सन्दर्भ में कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यरूशलेम के चारों ओर की पहाड़ियों पर स्थित बस्तियों से"

देखें: लक्षणालंकार

सपन्याह 1:11 (#1)

"मक्तेश"

शब्द **मक्तेश** प्राचीन नगर यरूशलेम के जिलों में से एक का नाम है। ऐसा प्रतीत होता है कि यह एक ऐसा स्थान था जहाँ कई वस्तुओं की खरीद और बिक्री होती थी, और इसलिए कुछ अनुवाद इसे इस नाम के बजाय एक वर्णनात्मक वाक्यांश के साथ सन्दर्भित करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बाजार जिला"

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

सपन्याह 1:11 (#2)

"क्योंकि सब व्यापारी मिट गए"

ये दोनों वाक्यांश समान अर्थ रखते हैं। यहोवा विचार को जोर देने के लिए पुनरावृत्ति का उपयोग कर रहे हैं जो वाक्यांश व्यक्त करते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप उन्हें मिला सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "सभी सौदागर और व्यापारी जो आपके जिले को इतना समृद्ध स्थान बनाते हैं, पूरी तरह से नष्ट हो जाएँगे।"

देखें: समानांतरता

सपन्याह 1:11 (#3)

"क्योंकि सब व्यापारी मिट गए"

यदि आपकी भाषा इन निष्क्रिय रूपों का उपयोग नहीं करती है, तो आप विचारों को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं कनान के सभी लोगों का नाश करने जा रहा हूँ; हाँ, मैं चाँदी तौलने वाले सभी को समाप्त करने जा रहा हूँ।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

सपन्याह 1:11 (#4)

"सब व्यापारी"

मूल भाषा में यहाँ **कनान के लोग** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **व्यापारी** शब्द का प्रयोग हुआ है। इस सन्दर्भ में, **कनान के लोग** का अर्थ व्यापारियों से है, न कि कनानी लोगों के समूह से। कई व्यापारी फिनिकी थे, अर्थात् कनानी, और इसी कारण इस पेशे को यह नाम मिला, लेकिन सन्दर्भ पेशे से है न कि लोगों के समूह से। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "व्यापारी"

देखें: मुहावरा

सपन्याह 1:11 (#5)

"जितने चाँदी से लदे थे"

यहोवा व्यापारियों का उल्लेख करने के लिए **चाँदी से लदे** वाक्यांश का उपयोग कर रहे हैं। इस संस्कृति में, लोग रुपये-पैसे के रूप में चाँदी का उपयोग करते थे, और इसका मूल्य उसके वजन से निर्धारित करते थे। इसलिए व्यापारी माल के लिए भुगतान करने या उन्हें भुगतान के रूप में स्वीकार करने के लिए चाँदी तौलते थे। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “व्यापारी”

देखें: लक्षणालंकार

सपन्याह 1:11 (#6)

"उन सब का नाश हो गया है"

देखें कि आपने पद 3 में "नाश हो गया है" अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "नष्ट कर दिया जाएगा"

देखें: मुहावरा

सपन्याह 1:12 (#1)

"दीपक लिए"

यहोवा यह कह रहे हैं कि वह सचमुच **दीपक** का उपयोग करके पूरी तरह से **ढूँढ़-ढाँढ़** करेंगे ताकि बुरे काम करने वालों को ढूँढ़कर उन्हें दण्ड दिया जा सकें। उनका आशय है कि वह पूरी तरह से खोज करेंगे, जैसे कि एक दीपक का उपयोग करके सभी अंधेरे कोनों को देखने के लिए जहाँ कोई व्यक्ति या चीज नजर से बच सकती है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “पूरी तरह से”

देखें: मुहावरा

सपन्याह 1:12 (#2)

"मैं दण्ड दूँगा"

देखें कि आपने पद 8 में "मैं दण्ड दूँगा" का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं दण्ड दूँगा"

देखें: मुहावरा

सपन्याह 1:12 (#3)

"जो लोग दाखमधु के तलछट तथा मैल के समान बैठे हुए {पुरुष}"

यहाँ पर **पुरुष** शब्द का एक सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि आपके पाठकों के लिए यह सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करती है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे लोग जो अपनी तलछट पर स्थिर हो रहे हैं"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

सपन्याह 1:12 (#4)

"जो लोग दाखमधु के तलछट तथा मैल के समान बैठे हुए"

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे कि यरूशलेम के पापी और आत्मसन्तुष्ट लोग सचमुच दाखरस की तरह हैं जो **मैला** हो रहा है क्योंकि उसे उसके **तलछट** पर छोड़ दिया गया है। "तलछट" शब्द उन छोटे टुकड़ों का वर्णन करता है जो अंगूर के पौधों के तने, पत्तियों और बीजों से अनजाने में रस के साथ मिल जाते हैं। आमतौर पर, इन्हें दाखरस के नीचे बैठने दिया जाता है, जिसे फिर उनसे अलग करने के लिए उण्डेला जाता है। यहोवा का मतलब है कि जैसे दाखरस अपने अवशेष पर छोड़ दिए जाने पर गाढ़ा हो जाता है, वैसे ही ये यहूदी पश्चाताप के लिए प्रेरित होने में कठोर हो गए हैं। यदि यह आपकी भाषा में स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। आप इस छवि को तुलना के रूप में प्रस्तुत करना और इसके अर्थ को समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “लोग जो इतने आत्मसन्तुष्ट हो गए हैं” या “लोग जो इतने आत्मसन्तुष्ट हो गए हैं कि वे दाखरस की तरह हैं जो गाढ़ा हो गया है क्योंकि किसी ने उसे उसके अवशेष से नहीं उण्डेला”

देखें: मुहावरा

सपन्याह 1:12 (#5)

"मन में कहते हैं"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "वे जो अपने हृदय में कहते हैं कि यहोवा न तो अच्छा करेंगे और न ही बुरा करेंगे"

देखें: उद्धरणों के अन्दर उद्धरण

सपन्याह 1:12 (#6)

"मन में कहते हैं"

यदि आप इस उद्धरण के भीतर उद्धरण को अप्रत्यक्ष उद्धरण में बदलने का निर्णय लेते हैं, तो यहोवा अपने बारे में तृतीय पुरुष में बात कर रहे होंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे प्रथम पुरुष में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वे जो अपने हृदय में कहते हैं कि यहोवा अच्छा नहीं करेंगे और बुरा नहीं करेंगे”

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

सपन्याह 1:12 (#7)

"मन में"

यहाँ **मन** विचारों का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके विचारों में" या "अपने आप से"

देखें: रूपक

सपन्याह 1:12 (#8)

"मन में"

चूंकि परमेश्वर कई लोगों की बात कर रहे हैं, यदि आप अपने अनुवाद में **मन** की छवि बनाए रखते हैं, तो आपकी भाषा में इस शब्द का बहुवचन रूप उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके मनों में"

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

सपन्याह 1:12 (#9)

"यहोवा न तो भला करेगा और न बुरा"

भला करेगा कहकर, ये लोग अप्रत्यक्ष रूप से यहोवा द्वारा उन्हें पुरस्कृत करने की बात कर रहे हैं, और **बुरा {करेगा}** कहकर, वे यहोवा द्वारा उन्हें दण्डित करने की बात कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। आप यह भी स्पष्ट कर सकते हैं कि लोग क्या कह रहे हैं: कि यहोवा ऐसा परमेश्वर नहीं हैं जो संसार में न्याय लागू करते हैं, इसलिए वे जैसा चाहें वैसा कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा हमें पुरस्कृत नहीं करेंगे, और वह हमें दण्डित नहीं करेंगे” या “यहोवा ऐसा परमेश्वर नहीं हैं जो अच्छे लोगों को पुरस्कृत करते हैं और दुष्ट लोगों को दण्डित करते हैं, इसलिए यह मायने नहीं रखता कि हम कैसे जीते हैं”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

सपन्याह 1:13 (#1)

"तब उनकी धन-सम्पत्ति लूटी जाएगी"

यहोवा कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनकी सम्पत्ति लूट बन जाएगी और उनके घर खण्डहर बन जाएँगे।"

देखें: पदलोप

सपन्याह 1:13 (#2)

"तब उनकी धन-सम्पत्ति लूटी जाएगी"

यहोवा का अर्थ यह नहीं है कि ये चीजें अपने आप हो जाएँगी। उनका तात्पर्य है कि वह शत्रु सेना जिसका वर्णन वे पद 16 में करते हैं, वे इन आत्मसन्तुष्ट यहूदियों की सम्पत्ति लूटेंगे और उनके घरों को नष्ट कर देंगे। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "एक शत्रु सेना उनकी सम्पत्ति लूटेगी और उनके घरों को नष्ट कर देगी"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

सपन्याह 1:13 (#3)

"वे घर तो बनाएँगे, परन्तु उनमें रहने न पाएँगे"

यहोवा यह संकेत कर रहे हैं कि उन्होंने इस्राएलियों से क्या कहा था कि अगर वे उनकी अवज्ञा करेंगे और झूठे देवताओं की पूजा करेंगे तो क्या होगा। जब इस्राएली पहली बार मिस्र

से निकले थे, तो उन्होंने मूसा के माध्यम से उन्हें बताया था कि अगर वे ऐसा करेंगे, तो “घर तू बनाएगा, परन्तु उसमें बसने न पाएगा; दाख की बारी तू लगाएगा, परन्तु उसके फल खाने न पाएगा” (28:30)। यहोवा अपने ही शब्दों को उद्धृत कर रहे हैं यह दिखाने के लिए कि ये यहूदियों के मामले में पूरे होंगे। आपके अनुवाद में इसे इंगित करने के लिए, आप इसे प्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं, अपनी भाषा के दूसरे स्तर के उद्धरण चिह्नों या किसी अन्य परम्परा का उपयोग करके। वैकल्पिक अनुवाद: “और ‘वे घर बनाएँगे, लेकिन उनमें निवास नहीं करेंगे, और वे दाख की बारी पौधा लगाएँगे, लेकिन वे अपने दाखरस का सेवन नहीं करेंगे’”

देखें: उद्धरण चिह्न

सपन्याह 1:14 (#1)

"यहोवा का भयानक दिन" - "यहोवा के दिन"

देखें कि आपने पद 7 में "यहोवा के दिन" वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "वह भयानक समय जब यहोवा लोगों को उनके पापों के लिए दण्डित करेंगे ... वह समय जब यहोवा लोगों को दण्ड देंगे"

देखें: मुहावरा

सपन्याह 1:14 (#2)

"यहोवा का भयानक दिन" - "यहोवा के दिन"

यहोवा अपने बारे में तृतीय पुरुष में बोल रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे प्रथम पुरुष में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भयानक समय जब मैं लोगों को उनके पापों के लिए दण्ड दूंगा ... वह समय जब मैं लोगों को दण्ड दूंगा"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

सपन्याह 1:14 (#3)

"निकट है"

यहोवा उस विचार को प्रबल बनाने के लिए **निकट** शब्द को दोहरा रहे हैं जो वह व्यक्त करते हैं। यदि आपकी भाषा में जोर देने के लिए शब्दों को दोहराया जा सकता है, तो आपके अनुवाद में ऐसा करना उपयुक्त होगा। यदि नहीं, तो आपकी भाषा में जोर देने का कोई और तरीका हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "बहुत पास और तेजी से आ रहा है"

देखें: पुनरावृत्ति

सपन्याह 1:14 (#4)

"निकट है"

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह **दिन** या समय जब वह लोगों को दण्ड देंगे, एक जीवित चीज़ हो जो **वेग से** आने के लिए बढ़ रही हो। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे रूप में कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "निकट है; हाँ, यह बहुत जल्द होगा।"

देखें: मानवीकरण

सपन्याह 1:14 (#5)

"यहोवा के दिन का शब्द सुन पड़ता है, वहाँ वीर दुःख के मारे चिल्लाता है"

यहोवा उस **दिन का शब्द** के बारे में बोल रहे हैं, जिसका अर्थ है कि लोग उस **दिन**, अर्थात उस समय, कैसा शब्द सुनाएँगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहोवा के दिन लोग कड़वे आँसू बहाएँगे।"

देखें: लक्षणालंकार

सपन्याह 1:14 (#6)

"वहाँ वीर दुःख के मारे चिल्लाता है"

यहोवा किसी विशेष **वीर** का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। वह सामान्य रूप में योद्धाओं के एक निश्चित दल का संकेत दे रहे हैं। इसका अर्थ हो सकता है: (1) जो योद्धा यहूदा की रक्षा करने का प्रयास कर रहे हैं, वे हारने पर निराशा में चिल्लाएँगे। वैकल्पिक अनुवाद: "यहूदा के रक्षक निराशा में चिल्लाएँगे" (2) शत्रु सेना के योद्धा जो यहूदा पर हमला कर रहे हैं, युद्ध का नारा लगाएँगे, जैसा कि पद 16 में वर्णित है। वैकल्पिक अनुवाद: "आक्रमणकारी योद्धा एक डरावना युद्ध नारा लगाएँगे"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

सपन्याह 1:15 (#1)

"वह ... दिन"

यदि आप वाक्यांश "यहोवा का दिन" का अनुवाद एक ऐसी अभिव्यक्ति के साथ कर रहे हैं जो "समय" शब्द का उपयोग करती है, तो आप इस वचन के प्रत्येक उदाहरण में "**दिन**" के बजाय "समय" कह सकते हैं।

देखें: मुहावरा

सपन्याह 1:15 (#2)

"वह संकट और सकेती का दिन"

इन चार मामलों में, यहोवा जोर देने के लिए समान अर्थ वाले दो शब्दों का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट होगा, तो आप जोर को एक ही वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बड़े संकट का दिन, गम्भीर विनाश का दिन, गहरे अंधकार का दिन, घने बादल का दिन"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

सपन्याह 1:15 (#3)

"वह अंधेर और घोर अंधकार का दिन"

यहोवा यह कह रहे हैं कि आकाश सचमुच अंधकारमय और बादलों से घिरा होगा जब वे लोगों को उनके पापों के लिए दण्डित करेंगे। उनका मतलब है कि यह वह समय होगा जब लोग अत्यधिक परेशानी का अनुभव करेंगे और गहरा दुख महसूस करेंगे। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "भयानक परेशानी का दिन, गहरे दुख का दिन"

देखें: मुहावरा

सपन्याह 1:16 (#1)

"का दिन"

यदि आप वाक्यांश "यहोवा का दिन" का अनुवाद एक ऐसी अभिव्यक्ति के साथ कर रहे हैं जिसमें "समय" शब्द का उपयोग होता है, तो आप यहाँ "दिन" के बजाय "समय" कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "का समय"

देखें: मुहावरा

सपन्याह 1:16 (#2)

"नरसिंगा फूँकने और ललकारने"

यहोवा एक **नरसिंगा**, एक शोफर, का उल्लेख कर रहे हैं, जिसे सैनिक के द्वारा हमले का संकेत देने के लिए उपयोग किया जाता था। यहोवा इस शब्द का उपयोग उस ध्वनि के सन्दर्भ में कर रहे हैं जो यह नरसींगा उत्पन्न करता है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। आपकी भाषा में यहाँ बहुवचन रूपों का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "सींग की ध्वनियाँ और युद्ध-घोषणाएँ"

देखें: लक्षणालंकार

सपन्याह 1:16 (#3)

"वह गढ़वाले नगरों और ऊँचे गुम्मटों के विरुद्ध"

यहोवा **गुम्मटों** शब्द का उपयोग उन मीनारों के सन्दर्भ में कर रहे हैं जो यहूदा के राज्य के चारों ओर की शहरपनाह के कोनों पर बनाए गए थे। वे शहरपनाहें सीधी नहीं थीं; उनमें कोण और कोने थे ताकि रक्षक एक से अधिक दिशा से घेराबन्दी करने वाली सेनाओं पर हमला कर सकें। ऊँचे मीनार कोनों पर बनाए गए थे ताकि रक्षक ऊँचाई से हमला कर सकें। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "किलेबन्द नगरों के विरुद्ध और उनकी शहरपनाह के कोनों पर ऊँचे मीनारों के विरुद्ध"

देखें: लक्षणालंकार

सपन्याह 1:16 (#4)

"वह गढ़वाले नगरों और ऊँचे गुम्मटों के विरुद्ध"

शब्द **गढ़वाले नगरों** और **ऊँचे गुम्मटों** समान अर्थ रखते हैं। नगर की दीवारों के कोनों पर ऊँचे मीनार उनकी किलेबन्दी का एक हिस्सा थे। यहोवा जोर देने के लिए इन दोनों शब्दों का एक साथ उपयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट होगा, तो आप जोर को एक ही वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दीवारों वाले नगर और उनकी सभी किलेबन्दी"

देखें: द्विरावृत्ति (डबलेट)

सपन्याह 1:17 (#1)

"मनुष्यों को"

यहाँ पर **मनुष्यों** शब्द का एक सामान्य अर्थ है जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में ऐसी भाषा का उपयोग कर सकते हैं जो स्पष्ट रूप से पुरुषों और महिलाओं दोनों को शामिल करती हो। सन्दर्भ सबसे अधिक सम्भावना पापी, आत्मसन्तुष्ट यहूदियों की ओर इंगित करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "यहूदा के लोगों के लिए"

देखें: जब पुल्लिंग शब्दों में स्त्रियाँ भी सम्मिलित होती हैं

सपन्याह 1:17 (#2)

"और वे अंधों के समान चलेंगे"

यह यहोवा द्वारा इस्राएलियों को मिस्र छोड़ने के समय कही गई बात का एक और संकेत है, जैसा कि पद 13 में संकेत किया गया है। 28:29 में, यहोवा ने इस्राएलियों से कहा कि यदि वे उनकी अवज्ञा करेंगे और झूठे देवताओं की पूजा करेंगे, तो "जैसे अंधा अंधियारे में टटोलता है वैसे ही तू दिन दुपहरी में टटोलता फिरेगा।" यह दिखाने के लिए कि यहोवा अपने ही शब्दों का उद्धरण कर रहे हैं, आप इसे प्रत्यक्ष उद्धरण के रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं, अपनी भाषा के दूसरे स्तर के उद्धरण चिह्नों या किसी अन्य परम्परा का उपयोग करके। वैकल्पिक अनुवाद: "और 'वे अंधों की तरह चलेंगे,' क्योंकि"

देखें: उद्धरण चिह्न

सपन्याह 1:17 (#3)

"और वे अंधों के समान चलेंगे"

इस तुलना का तात्पर्य यह है कि जिस प्रकार एक **अंधा** व्यक्ति यह नहीं जानता कि उसे किस दिशा में **चलना** चाहिए ताकि वह सुरक्षित रूप से कहीं पहुँच सके, उसी प्रकार यहूदी लोग भी दुश्मन सेना से बचकर भागने के लिए कोई सुरक्षित स्थान नहीं खोज पाएँगे। यहोवा यह नहीं कह रहे हैं कि अंधापन पाप के लिए एक दण्ड है। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे कोई ऐसा स्थान नहीं ढूँढ पाएँगे जहाँ यह सुरक्षित हो"

देखें: उपमा

सपन्याह 1:17 (#4)

"अंधों के समान"

यहोवा विशेषण **अंधों** का उपयोग संज्ञा के रूप में एक विशेष प्रकार के व्यक्ति को सन्दर्भित करने के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस तरह से उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस विशेषण का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जैसे अंधे लोग करते हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

सपन्याह 1:17 (#5)

"उनका लहू धूलि के समान, ... फेंक दिया जाएगा"

यहोवा कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनका लहू धूल की तरह फेंक दिया जाएगा, और उनका माँस विष्ठा की तरह बहाई जाएँगी।"

देखें: पदलोप

सपन्याह 1:17 (#6)

"उनका लहू धूलि के समान, ... फेंक दिया जाएगा"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनके शत्रु उन्हें घायल कर देंगे ताकि उनका रक्त धूल की तरह फेंक दिया जाए और उनकी माँस विष्ठा की तरह बाहर निकल जाएँ"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

सपन्याह 1:17 (#7)

"उनका लहू धूलि के समान, ... फेंक दिया जाएगा"

इन तुलनाओं का उद्देश्य यह है कि जैसे लोग **धूलि** और **विष्ठा** को बिना मूल्य के मानते हैं, वैसे ही यहूदी लोगों का **लहू** और माँस, जो उनके जीवन के लिए महत्वपूर्ण हैं, ऐसे **फेंक दिया जाएगा** जैसे कि उनके जीवन और उन पदार्थों का कोई मूल्य नहीं हो। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप इस बिन्दु को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनके दुश्मन उन्हें इस तरह घायल करेंगे कि उनका लहू और उनकी माँस प्रचुर मात्रा में बहेंगी, जैसे कि वे व्यर्थ हों।"

देखें: उपमा

सपन्याह 1:18 (#1)

"न तो चाँदी से उनका बचाव होगा, और न सोने से"

यहोवा ऐसे कह रहे हैं मानो यहूदियों के पास जो **सोना-चाँदी** है, वे जीवित चीज़ें हैं जो उन्हें उनके शत्रुओं से **बचा** सकती हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे अपने शत्रुओं से बचने के लिए चाँदी या सोना भी नहीं दे पाएँगे।"

देखें: मानवीकरण

सपन्याह 1:18 (#2)

"क्योंकि उसके जलन की आग से सारी पृथ्वी भस्म हो जाएगी"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी जलन की आग पूरी पृथ्वी को भस्म कर देगी"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

सपन्याह 1:18 (#3)

"क्योंकि उसके जलन की आग से सारी पृथ्वी भस्म हो जाएगी"

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे उनकी **जलन** एक **आग** हो जो सचमुच पूरी **पृथ्वी** को जला देगी। जैसा कि अगला वाक्य संकेत करता है, वे "पृथ्वी" शब्द का उपयोग पृथ्वी पर रहने वाले लोगों के लिए कर रहे हैं, और वे उन लोगों को झूठे देवताओं की पूजा करने और पापपूर्ण जीवन जीने के लिए दण्डित करने के तरीके का उल्लेख कर रहे हैं। वे उस दण्ड की बात ऐसे कर रहे हैं जैसे वह एक आग हो। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि वे अपनी जलन में उन्हें दण्डित करते समय पृथ्वी पर रहने वाले सभी लोगों को नष्ट कर देंगे"

देखें: रूपक

सपन्याह 1:18 (#4)

"क्योंकि उसके जलन की आग से सारी पृथ्वी भस्म हो जाएगी"

यदि आपकी भाषा में **जलन** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। सपन्याह कह रहे हैं कि यहोवा जलन रखनेवाले परमेश्वर हैं क्योंकि पृथ्वी पर रहने वाले लोग झूठे देवताओं की पूजा करते आ रहे हैं, यद्यपि उन्हें केवल यहोवा की आराधना करनी चाहिए क्योंकि वही एकमात्र सच्चे परमेश्वर हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि वह पृथ्वी पर रहने वाले सभी लोगों को नष्ट कर देंगे जब वह उन्हें दण्ड देंगे क्योंकि वह जलन रखते हैं कि वे झूठे देवताओं की पूजा कर रहे हैं बजाय उनके, जो एकमात्र सच्चे परमेश्वर हैं।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

सपन्याह 1:18 (#5)

"वह पृथ्वी के सारे रहनेवालों को ... डालेगा"

यदि आपकी भाषा में **अन्त** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह पृथ्वी के सभी निवासियों के जीवन को समाप्त कर देंगे, और वह यह शीघ्रता से करेंगे।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

सपन्याह 1:18 (#6)

"वह पृथ्वी के सारे रहनेवालों"

क्योंकि यहोवा धार्मिक लोगों को दुष्ट लोगों के साथ नहीं मारते, शब्द **सारे** जोर देने के लिए एक सामान्यीकरण हो सकता है, या यह अभिव्यक्ति **पृथ्वी के सारे रहनेवालों** विशेष रूप से दुष्ट लोगों को सन्दर्भित कर सकती है। वैकल्पिक अनुवाद: "पृथ्वी पर रहने वाले कई लोग" या "दुष्ट लोग जो उनकी आज्ञा नहीं मानते"

देखें: अतिशयोक्ति

सपन्याह 1:18 (#7)

"घबराकर"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। अनुवादित शब्द **घबराकर** का अर्थ हो सकता है: (1) कि यहोवा शीघ्रता से वह करेंगे जो वह वर्णन कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह इसे शीघ्र ही करेंगे" (2) कि जब यहोवा ऐसा करेंगे, तो यह लोगों को भयभीत कर देगा। वैकल्पिक अनुवाद: "घबराकर"।

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

सपन्याह 2:1 (#1)

"इकट्ठे हो"

सपन्याह क्रिया **इकट्ठे हो** को दोहरा रहे हैं ताकि वह उस विचार पर जोर दे सके जो यह व्यक्त करता है। यदि आपकी भाषा का कोई वक्ता ऐसा नहीं करेगा, तो आप अपने अनुवाद में जोर देने के लिए किसी अन्य तरीके से इसे व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह अत्यावश्यक है कि आप सब इकट्ठा हों"

देखें: पुनरावृत्ति

सपन्याह 2:1 (#2)

"{स्वयं} इकट्ठे हो"

मूल भाषा में यहाँ **स्वयं** शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में इस शब्द का प्रयोग नहीं हुआ है। शब्द **स्वयं** बहुवचन है क्योंकि सपन्याह यहूदियों को एक समूह के रूप में सम्बोधित कर रहे हैं। इन आदेशात्मक रूपों में निहित "आप" भी बहुवचन है। इसलिए, यदि आपकी भाषा में यह भेद होता है, तो अपने अनुवाद में बहुवचन रूपों का उपयोग करें। (शब्द "आप" और आदेशात्मक वाक्यों में निहित "आप" पद 2 और 3 में भी बहुवचन बने रहते हैं।)

देखें: 'आप' के प्रकार — एकवचन

सपन्याह 2:1 (#3)

"इकट्ठे हो"

सपन्याह स्पष्ट रूप से यहूदियों से कह रहे हैं कि वे पश्चाताप करने के लिए एक साथ **इकट्ठे हो**। अर्थात, वह उन्हें बता रहे हैं कि उन्हें तुरन्त एक गम्भीर सभा आयोजित करने की आवश्यकता है जिसमें वे अपने पापों को स्वीकार करें और त्याग दें और यहोवा से दया की प्रार्थना करें। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप अपने अनुवाद में यह संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “पश्चाताप में एक साथ इकट्ठा हो जाओ”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

सपन्याह 2:1 (#4)

"हे निर्लज्ज जाति के लोगों"

सपन्याह एक नकारात्मक शब्द का उपयोग करके सकारात्मक अर्थ व्यक्त कर रहे हैं, जो कि इच्छित अर्थ के विपरीत शब्द के साथ है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे बता सकते हैं। वाक्यांश का अनुवाद **अवांछित** किया जा सकता है: (1) कि यहोवा इस देश के करीब नहीं आना चाहते क्योंकि वे इसके लोगों के पाप और मूर्तिपूजा के कारण बहुत गुस्से में हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हे देश जिसके साथ यहोवा बहुत गुस्से में हैं” (2) कि इस देश के लोग उन गलत चीजों के लिए शर्मिंदा नहीं हैं जो वे कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हे बेशर्म देश”

देखें: (लाइटोटीज़) कटाक्षपूर्ण उक्ति

सपन्याह 2:1 (#5)

"हे निर्लज्ज जाति के लोगों"

सपन्याह अप्रत्यक्ष रूप से यहूदा के **जाति** को सम्बोधित कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप यहूदियों जिनसे यहोवा इतने नाराज हैं" या "आप निर्लज्ज यहूदी"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

सपन्याह 2:2 (#1)

"इससे पहले कि दण्ड की आज्ञा पूरी हो"

सपन्याह इस स्वामित्व रूप का उपयोग किसी **पूरी होने** वाली **आज्ञा** का वर्णन करने के लिए नहीं कर रहे हैं, बल्कि **आज्ञा** के बारे में इस तरह से बात कर रहे हैं जैसे कि वह कुछ **पूरा करने** वाला हो, अर्थात् जैसे कि वह वास्तव में कुछ जन्म दे रहा हो। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है, और सरल भाषा का उपयोग करना भी सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "आज्ञा प्रभावी होने से पहले"

देखें: स्वामित्व

सपन्याह 2:2 (#2)

"इससे पहले कि दण्ड की आज्ञा पूरी हो"

सपन्याह पिछले अध्याय में यहोवा द्वारा घोषित **आज्ञा** का अप्रत्यक्ष रूप से उल्लेख कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इससे पहले कि यहोवा पापी लोगों को नष्ट करने के अपने आदेश को पूरा करें"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

सपन्याह 2:2 (#3)

"दिन"

दिन से सपन्याह का मतलब है "यहोवा का दिन। देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद अध्याय 1 में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: “वह समय जब यहोवा लोगों को उनके पापों के लिए दण्ड देंगे”

देखें: मुहावरा

सपन्याह 2:2 (#4)

"इससे पहले" - "भूसी के समान निकले"

इस तुलना का उद्देश्य यह है कि जैसे हवा भूसी को उड़ा देती है ताकि वह चली जाए और वापस न आए, वैसे ही यहोवा का **दिन** आएगा और चला जाएगा, और उसके बाद लोगों के लिए मन फिराने का कोई और अवसर नहीं होगा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इस बात को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पहले ... आ चुका है और चला गया है और मन फिराने का कोई और अवसर नहीं है"

देखें: उपमा

सपन्याह 2:2 (#5)

"इससे पहले कि ... यहोवा का भड़कता हुआ क्रोध तुम पर आ पड़े"

ये दोनों वाक्यांश समान अर्थ रखते हैं। सपन्याह पुनरावृत्ति का उपयोग करके इस विचार पर जोर दे रहे हैं कि वाक्यांश क्या व्यक्त करते हैं। हालांकि, वाक्यांशों को मिलाने और जोर देने का कोई अन्य तरीका दिखाने के बजाय, आपके अनुवाद में दोनों वाक्यांशों को शामिल करना अच्छा हो सकता है, क्योंकि वे एक साधारण प्रार्थना की रीति का हिस्सा हैं। इस अध्याय के सामान्य टिप्पणियों में एक साधारण प्रार्थना की रीति रूप की चर्चा देखें और आप कैसे वचन 1–2 को स्वरूपित कर सकते हैं ताकि यह दिखाया जा सके कि सपन्याह इस रूप का उपयोग कर रहे हैं।

देखें: समानांतरता

सपन्याह 2:2 (#6)

"और यहोवा का भड़कता हुआ क्रोध तुम पर आ पड़े"

सपन्याह यहूदा के लोगों को उस परिणाम से बचने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, जिसका वर्णन वह नकारात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से कर रहे हैं। वह प्रभावी रूप से उन्हें उस परिणाम से बचने के लिए यहोवा की आज्ञाओं का पालन करने के लिए कह रहे हैं। अपनी भाषा में उद्देश्य वाक्यांश को प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपनाएँ। वाक्यांश स्वयं नकारात्मक या सकारात्मक हो सकता है, यह आपकी भाषा की परम्परओं पर निर्भर करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि यहोवा का क्रोध आप पर न आए" या "कहीं ऐसा न हो कि यहोवा का क्रोध आप पर आ जाए"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

सपन्याह 2:2 (#7)

"और यहोवा का भड़कता हुआ क्रोध तुम पर आ पड़े"

मूल भाषा में यहाँ **इससे पहले कि यहोवा की नाक का जलना तुम पर आ पड़े** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **और यहोवा का भड़कता हुआ क्रोध तुम पर आ पड़े** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। सपन्याह **नाक** शब्द का उपयोग क्रोध के अर्थ में कर रहे हैं। वह ऐसा उस व्यक्ति के साथ सम्बन्ध बनाकर कर रहे हैं जो क्रोधित होने पर अपनी नाक से जोर से सांस लेते हैं। आपकी भाषा और संस्कृति भी क्रोध को शरीर के किसी विशेष भाग से जोड़ सकती है। यदि ऐसा है, तो आप अपने अनुवाद में शरीर के उस भाग से सम्बन्धित अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं। आप साधारण भाषा का भी उपयोग कर सकते हैं। सपन्याह यहोवा के **नाक** या क्रोध को मानो सचमुच **जलता** हुआ बता रहे हैं। उनका मतलब है कि यहोवा का क्रोध बहुत तीव्र है। वैकल्पिक अनुवाद: “ताकि यहोवा का प्रचण्ड क्रोध आप पर न आए” या “कहीं ऐसा न हो कि यहोवा का प्रचण्ड क्रोध आप पर आ जाए”

देखें: लक्षणालंकार

सपन्याह 2:2 (#8)

"और यहोवा का भड़कता हुआ क्रोध तुम पर आ पड़े"

सपन्याह यह व्यक्त कर रहे हैं कि यहोवा का **क्रोध** एक जीवित वस्तु की तरह है, जो यहूदियों पर **आ पड़ सकता** है, अर्थात् उन पर हमला कर सकता है और उन्हें पराजित कर सकता है। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि यहोवा आपको अपने प्रचण्ड क्रोध में नष्ट न करें" या "कहीं ऐसा न हो कि यहोवा आपको अपने प्रचण्ड क्रोध में नष्ट कर दें"

देखें: मानवीकरण

सपन्याह 2:2 (#9)

"और यहोवा के क्रोध का दिन तुम पर आए"

देखें कि आपने इस समान अभिव्यक्ति का अनुवाद इससे पहले कैसे किया था, और देखें कि आपने **दिन** शब्द का अनुवाद पहले पद में कैसे किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "ताकि यहोवा आपको अपने क्रोध में नष्ट न करें जब वह लोगों को उनके पापों के लिए दण्डित करें"

देखें: जोड़ें — लक्ष्य (उद्देश्य) सम्बन्ध

सपन्याह 2:3 (#1)

"उसको {यहोवा को} ढूँढ़ते रहो"

सपन्याह इस प्रकार बोल रहे हैं जैसे वह वास्तव में चाहते थे कि यहूदी **यहोवा की खोज** करें या उन्हें ढूँढें। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। देखें कि आपने 1:6 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा से करुणा के लिए प्रार्थना करें”

देखें: रूपक

सपन्याह 2:3 (#2)

"हे पृथ्वी के सब नम्र लोगों"

सपन्याह विशेषण **नम्र** का उपयोग संज्ञा के रूप में एक विशेष प्रकार के व्यक्ति को दर्शाने के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस विशेषण का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। जबकि सपन्याह इन लोगों के बारे में तृतीय पुरुष में बात कर रहे हैं, वह उन्हें सीधे सम्बोधित कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "आप सभी पृथ्वी के नम्र लोगों"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

सपन्याह 2:3 (#3)

"हे पृथ्वी के सब नम्र लोगों"

यहाँ **पृथ्वी** शब्द का अर्थ हो सकता है: (1) यहूदा की भूमि, क्योंकि सपन्याह एक विशेष “देश,” यहूदा का देश, को सम्बोधित कर रहे हैं, पद 1–3 में। वैकल्पिक अनुवाद: “सभी भूमि के नम्र लोग” या “सभी यहूदी जो स्वयं को नम्र करने के लिए तैयार हैं” (2) पूरा संसार, क्योंकि यही अर्थ 1:18 में है। वैकल्पिक अनुवाद: “सभी नम्र लोग संसार में”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

सपन्याह 2:3 (#4)

"हे यहोवा के नियम के माननेवालों"

यदि आपकी भाषा में **नियम के माननेवालों** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जो वह करता है जो उसने कहा है वह न्यायी है”

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

सपन्याह 2:3 (#5)

"धार्मिकता से ढूँढ़ो, नम्रता से ढूँढ़ो"

सपन्याह यहूदी लोगों से ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह सचमुच उनसे **धार्मिकता** और **नम्रता** की खोज करने या उन्हें देखने के लिए कह रहे हों। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। इस छवि का अर्थ 1:6 और पद के पहले भाग से थोड़ा अलग है। वैकल्पिक अनुवाद: “धार्मिकता का अभ्यास करें। विनम्रता को विकसित करें।”

देखें: रूपक

सपन्याह 2:3 (#6)

"धार्मिकता से ढूँढ़ो, नम्रता से ढूँढ़ो"

यदि आपकी भाषा **धार्मिकता** और **नम्रता** के विचारों के लिए भाववाचक संज्ञाओं का उपयोग नहीं करती है, तो आप इन्हीं विचारों को अन्य तरीकों से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जो सही है वह करें। नम्र बनें।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

सपन्याह 2:3 (#7)

"तुम ... शरण पाओ"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "आप छिप सकेंगे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

सपन्याह 2:3 (#8)

"तुम ... शरण पाओ"

सपन्याह ऐसा बोल रहे हैं जैसे यहूदियों को सचमुच कहीं **शरण** दिया जा सकता है जहाँ यहोवा उन्हें नहीं खोज सकेंगे। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “आपको बख्श दिया जाएगा”

देखें: रूपक

सपन्याह 2:3 (#9)

"यहोवा के क्रोध के दिन"

देखें कि आपने पिछले पद के अन्त में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "उस समय जब यहोवा क्रोधित होकर लोगों को दण्ड देते हैं"

देखें: मुहावरा

सपन्याह 2:4 (#1)

"गाज़ा तो निर्जन ... हो जाएगा"

काव्यात्मक प्रभाव और जोर देने के लिए, इस वचन की शुरुआत और अन्त में सपन्याह उन क्रियाओं का उपयोग करते हैं जो उन नगरों के नामों की ध्वनि को प्रतिध्वनित करती हैं जिनका वे वर्णन कर रहे हैं। यह सम्भव हो सकता है कि आप अपने अनुवाद में इस प्रभाव को पुनः उत्पन्न कर सकें।

देखें: कविता

सपन्याह 2:4 (#2)

"गाज़ा ... उजाड़ हो जाएगा"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "जो लोग गाज़ा में रहते थे, वे उस नगर को छोड़ देंगे" या "अब गाज़ा में कोई नहीं रहेगा।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

सपन्याह 2:4 (#3)

"और अश्कलोन उजाड़ हो जाएगा"

सपन्याह कुछ ऐसे शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप सन्दर्भ से इन शब्दों की पूर्ति कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और अश्कलोन एक खण्डहर बन जाएगा।"

देखें: पदलोप

सपन्याह 2:4 (#4)

"अश्दोद के निवासी दिन दुपहरी निकाल दिए जाएँगे"

सपन्याह **अश्दोद** के नगर के बारे में मूल भाषा में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वह एक महिला हो जिसे उसके घर से **निकाल** दिया जा सकता है जिसमें वह रह रही थी। वह नगर का उपयोग उन लोगों का प्रतिनिधित्व करने के लिए कर रहे हैं जो नगर में रहते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे अश्दोद के निवासियों को निकाल देंगे।"

देखें: मानवीकरण

सपन्याह 2:4 (#5)

"अश्दोद के निवासी दिन दुपहरी निकाल दिए जाएँगे"

मूल भाषा में यहाँ **अश्दोद, वे उसे निकाल देंगे** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **अश्दोद के निवासी दिन दुपहरी निकाल दिए जाएँगे** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यहाँ, **वे** एक अनिश्चित सर्वनाम है जिसके तत्काल सन्दर्भ में कोई विशिष्ट अर्थ नहीं है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे एक अलग अभिव्यक्ति के साथ अनुवाद कर सकते हैं जो एक अनिश्चित सर्वनाम का उपयोग नहीं करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "अश्दोद के निवासियों को निष्कासित किया जाएगा" या "एक सेना अश्दोद के निवासियों को निष्कासित करेगी।"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

सपन्याह 2:4 (#6)

"दिन दुपहरी"

सपन्याह ऐसा कह रहे हैं जैसे कि एक सेना वास्तव में अश्दोद के निवासियों को एक विशेष समय पर, **दिन दुपहरी में**, बाहर निकाल देगी। वह सम्भवतः दोपहर, जब सूर्य आकाश में सबसे चमकीला होता है, का उपयोग "दिन के उजाले में" के अर्थ में कर रहे हैं, अर्थात्, एक प्रबल शक्ति द्वारा खुले हमले के परिणामस्वरूप। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक खुले हमले में"

देखें: रूपक

सपन्याह 2:4 (#7)

"और एक्रोन उखाड़ा जाएगा"

सपन्याह ऐसे बोल रहे हैं जैसे **एक्रोन** का नगर सचमुच एक पौधा हो जिसे **उखाड़ा** जा सकता है, यानी जड़ सहित पूरी तरह से जमीन से खींचा जा सकता है। यदि आपकी भाषा में

यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और एक्रोन पूरी तरह से नष्ट कर दिया जाएगा"

देखें: रूपक

सपन्याह 2:4 (#8)

"और एक्रोन उखाड़ा जाएगा"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक हो। वैकल्पिक अनुवाद: "और यह ऐसा होगा जैसे एक्रोन एक पौधा हो जिसे किसी ने जड़ों से उखाड़ दिया हो" या "और एक सेना एक्रोन को नष्ट कर देगी।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

सपन्याह 2:5 (#1)

"समुद्र तट"

सपन्याह इस स्वामित्व रूप का उपयोग **तट** का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं जो **समुद्र** के किनारे है। उनका विशेष रूप से मतलब महासागर के उस तटवर्ती क्षेत्र से है जहाँ फिलिस्तीनियों का निवास था। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: “समुद्रतट”

देखें: स्वामित्व

सपन्याह 2:5 (#2)

"करेती जाति"

शब्द **करेती जाति** उन सभी या कुछ लोगों के समूह के लिए एक और नाम है जिसे **पलिश्ती** के नाम से भी जाना जाता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए उपयोगी हो, तो आप यहाँ पलिश्तियों का नाम प्रयोग कर सकते हैं, जिससे यह पता चले कि सपन्याह एक ही समूह को सम्बोधित कर रहे हैं, दो को नहीं। वैकल्पिक अनुवाद: “पलिश्ती”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

सपन्याह 2:5 (#3)

"यहोवा का वचन तेरे विरुद्ध है"

सपन्याह **वचन** शब्द का उपयोग यहोवा द्वारा कहे गए वचनों को सन्दर्भित करने के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहोवा ने आपके खिलाफ एक सन्देश दिया है"

देखें: लक्षणालंकार

सपन्याह 2:5 (#4)

"तेरे विरुद्ध है"

सपन्याह उस देश से बात कर रहे हैं जिसके बारे में वह जानते हैं कि वह उन्हें सुन नहीं सकता, अर्थात **कनान** देश से, ताकि वह दृढ़तापूर्वक दिखा सके कि वह वहाँ रहने वाले लोगों के बारे में कैसा महसूस करते हैं। यदि आपकी भाषा में कोई वक्ता ऐसा नहीं करेगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “तेरे यानि पलिश्तियों के खिलाफ हैं जो कनान की भूमि में रहते हैं।”

देखें: सम्बोधन

सपन्याह 2:5 (#5)

"तेरे विरुद्ध है"

शब्द **तेरे** यहाँ बहुवचन है क्योंकि सपन्याह अप्रत्यक्ष रूप से उन पलिश्तियों से बात कर रहे हैं जो **कनान** की भूमि में रहते हैं। हालांकि, चूंकि वह सीधे उस भूमि को सम्बोधित कर रहे हैं, यदि आप अपने अनुवाद में सीधे-सम्बोधन रूप को बनाए रखते हैं, तो आपकी भाषा में "तेरे" का एकवचन रूप उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। (यह यहोवा के उद्धरण में **तेरे** के एकवचन रूप से मेल खाएगा, "और मैं तुम्हें नष्ट कर दूँगा," जो कनान को ऐसे सम्बोधित करता है जैसे वह भूमि एक व्यक्ति हो।)

देखें: 'आप' के प्रकार — एकवचन

सपन्याह 2:5 (#6)

"और मैं तुझको ऐसा नाश करूँगा कि तुझ में कोई न बचेगा"

आपकी भाषा में इसे अप्रत्यक्ष उद्धरण बनाना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने कहा है कि वह आपको तब तक नष्ट कर देंगे जब तक कोई निवासी नहीं बचेगा।"

देखें: प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष उद्धरण

सपन्याह 2:5 (#7)

"और मैं तुझको ऐसा नाश करूँगा कि तुझ में कोई न बचेगा"

जैसा कि सपन्याह ने किया, यहोवा कुछ ऐसा कह रहे हैं जिसे वे जानते हैं कि वह, **कनान** की भूमि, नहीं सुन सकता, यह दिखाने के लिए कि वे वहाँ रहने वाले लोगों के बारे में कैसा महसूस करते हैं। यदि आपकी भाषा में कोई वक्ता ऐसा नहीं करेगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं तुम पलिश्तियों को नष्ट कर दूँगा जब तक कि तुममें से कोई भी कनान की भूमि में नहीं रहेगा"

देखें: सम्बोधन

सपन्याह 2:6 (#1)

"समुद्र तट"

देखें कि आपने इस अभिव्यक्ति का अनुवाद पिछले वचन में कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "समुद्र तट" या "वह समुद्र तट जहाँ पहले पलिश्ती रहते थे"

देखें: स्वामित्व

सपन्याह 2:6 (#2)

"चरवाहों के घर होंगे और भेड़शालाओं समेत चराई ही चराई होगी"

सपन्याह इन स्वामित्व रूपों का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि **चराई** में क्या होगा, **चराई** का उपयोग कौन करेगा, और **भेड़शालाओं** में क्या होगा। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "चरागाह जिनमें ऐसे मैदान हैं जहाँ चरवाहे अपनी भेड़ें चराते हैं और बाड़े जो उनके झुण्डों को रखते हैं"

देखें: स्वामित्व

सपन्याह 2:7 (#1)

"यहूदा के घराने"

सपन्याह शब्द का उपयोग यहूदा के राज्य में रहने वाले लोगों के लिए **घराने** के रूप में कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसे सीधे अर्थ में कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहूदा के लोग"

देखें: रूपक

सपन्याह 2:7 (#2)

"वे अश्कलोन के छोड़े हुए घरों में साँझ को लेटेंगे"

सपन्याह घर में रहने के एक पहलू, शाम को वहाँ लेटना (अर्थात् रात को वहाँ सोना) का प्रयोग सामान्य रूप से वहाँ रहने के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे अश्कलोन नगर के परित्यक्त घरों में आकर निवास करेंगे।"

देखें: उपलक्षण

सपन्याह 2:7 (#3)

"उनकी सुधि लेकर"

सपन्याह एक विशेष अर्थ में **सुधि लेकर** शब्द का उपयोग कर रहे हैं, जिसका मतलब किसी के सम्बन्ध में कार्रवाई करना है। 1:8, 1:9, और 1:12 में, यह शब्द लोगों को दण्डित करने की कार्रवाई का वर्णन करता है। लेकिन यहाँ यह लोगों की सहायता करने की कार्रवाई का वर्णन करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक हो, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनकी सहायता करेंगे"

देखें: मुहावरा

सपन्याह 2:8 (#1)

"उसकी निन्दा ...वह मेरे कानों तक पहुँची है"

यह यहोवा के सीधे उद्धरण की शुरुआत है, जैसा कि अगले पद में "सेनाओं के यहोवा की यह वाणी है" वाक्यांश से संकेत मिलता है। देखें कि आपने 1:2 में "यहोवा की यही वाणी है" वाक्यांश का अनुवाद कैसे किया। यदि आपने वहाँ उद्धरण की शुरुआत के लिए इसका उपयोग किया था, तो आप यहाँ उद्धरण की शुरुआत के लिए 2:9 से तुलनीय वाक्यांश का उपयोग कर सकते हैं। अनफोल्डिंग वर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन इस तरह से करने का एक तरीका प्रस्तुत करता है।

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

सपन्याह 2:8 (#2)

"मोआब"

यहोवा **मोआब** के देश के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह एक जीवित वस्तु हो जो यहूदा के लोगों के खिलाफ **निन्दा** व्यक्त

कर सकती हो। वे उस देश के लोगों का जिक्र कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मोआब के लोग” या “मोआबी”

देखें: मानवीकरण

सपन्याह 2:8 (#3)

"अम्मोनियों"

मूल भाषा में यहाँ **अम्मोन के पुत्रों** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **अम्मोनियों** शब्द का प्रयोग हुआ है। यहाँ **पुत्रों** का अर्थ "वंशज" है। यहोवा अम्मोनी लोगों के दल के सदस्यों का वर्णन उनके एक ही पूर्वज, बेनअम्मी, से सामान्य वंश के सन्दर्भ में कर रहे हैं, जिन्हें यहाँ **अम्मोन** कहा गया है। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे रूप में प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अम्मोन के लोग” या “अम्मोनियों”

देखें: रूपक

सपन्याह 2:8 (#4)

"उसके देश की सीमा पर चढ़ाई की"

इसका अर्थ हो सकता है: (1) कि मोआबियों और अम्मोनियों ने यहूदा के राज्य से क्षेत्र छीनकर अपने क्षेत्रों का विस्तार किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनसे सटे क्षेत्रों को चुरा लिया है" (2) कि मोआबियों और अम्मोनियों ने यहूदा के राज्य पर हमला करने और उसके कुछ या सभी क्षेत्रों को लेने की धमकी दी है। वैकल्पिक अनुवाद: "और दावा किया है कि वे उनके क्षेत्र को ले लेंगे"

देखें: मुहावरा

सपन्याह 2:9 (#1)

"इस ...मेरे जीवन की शपथ"

यहोवा इस भाषा का उपयोग एक गम्भीर शपथ लेने के लिए कर रहे हैं। वह यह संकेत दे रहे हैं कि जो बातें वह मोआब और अम्मोन के बारे में कह रहे हैं, वे उतनी ही निश्चित हैं जितनी कि कोई अन्य बहुत निश्चित बात, जैसे की यह तथ्य कि **उनमे जीवन** हैं। इसे इस तरह से अनुवादित करें कि आपके पाठकों को यह दिखाए कि यह एक शपथ है। उदाहरण के लिए, यह मददगार हो सकता है कि आप शब्द जोड़ें मैं **शपथ** खाता हूँ, जैसा कि अनफोल्डिंग वर्ड सिम्प्लिफाइड ट्रान्सलेशन करता है। यदि आपकी संस्कृति में शपथ

अपरिचित हैं, तो आप यह भी जोड़ सकते हैं कि शपथ क्या होती है, इसका एक छोटा सा स्पष्टीकरण।

देखें: शपथ का सूत्र

सपन्याह 2:9 (#2)

"इस्राएल के परमेश्वर, सेनाओं के यहोवा की यह वाणी है"

यह वाक्यांश इंगित करता है कि पद 2:8–9 में सामग्री का उद्धरण यहोवा से सीधे लिया गया है। देखें कि आपने पिछले पद में इस सीधे उद्धरण को प्रस्तुत करने का निर्णय कैसे लिया।

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

सपन्याह 2:9 (#3)

"सेनाओं के यहोवा"

शब्द **सेनाओं के यहोवा** परमेश्वर के लिए एक शीर्षक है जो उनकी महान सामर्थ्य को दर्शाता है। यह उन्हें स्वर्गीय सेनाओं के सेनापति के रूप में वर्णित करता है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का कोई अनुवाद उपलब्ध है, तो यह वाक्यांश अनुवाद करने का एक विशेष तरीका हो सकता है, और आप अपने अनुवाद में इसका उपयोग कर सकते हैं। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का कोई अनुवाद उपलब्ध नहीं है, तो इस वाक्यांश का अर्थ इस तरह से व्यक्त करें जो आपके पाठकों के लिए स्पष्ट हो। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा सर्वशक्तिमान”

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

सपन्याह 2:9 (#4)

"निश्चय मोआब सदोम के समान... हो जाएँगे"

इस तुलना का उद्देश्य यह है कि जैसे **सदोम** और **गमोरा** पूरी तरह से नष्ट हो गए थे (देखें उत 19:1–29), वैसे ही **मोआब** और **अम्मोन** के देश भी पूरी तरह से नष्ट हो जाएँगे। यदि आपकी भाषा में यह उपयोगी हो, तो आप इस बिन्दु को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत कर सकते हैं। देखें कि आपने पिछले पद में "मोआब" और "अम्मोन के पुत्रों" का अनुवाद कैसे किया था। वैकल्पिक अनुवाद: "मोआब का देश पूरी तरह से नष्ट हो जाएगा, जैसे सदोम का नगर हुआ था, और अम्मोन के लोग पूरी तरह से नष्ट हो जाएँगे, जैसे गमोरा के नगर के लोग हुए थे।"

देखें: उपमा

सपन्याह 2:9 (#5)

"बिच्छू पेड़ों के स्थान और नमक की खानियाँ"

यहोवा कुछ शब्द छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। आप इन शब्दों को सन्दर्भ से जोड़ सकते हैं यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे बिच्छू बूटी और नमक के गड्ढे का अधिकार बन जाएँगे और हमेशा के लिए खण्डहर बन जाएँगे।"

देखें: पदलोप

सपन्याह 2:9 (#6)

"बिच्छू पेड़ों के स्थान और नमक की खानियाँ"

यहोवा किसी विशेष **बिच्छू पेड़ों** या **नमक की खानियाँ** का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका आशय सामान्यतः बिच्छू पेड़ों और नमक की खानियों से है। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूपों का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "बिच्छू पेड़ों और नमक की खानियों का स्वामित्व और सदा के लिए एक खण्डहर"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

सपन्याह 2:9 (#7)

"बिच्छू पेड़ों के स्थान और नमक की खानियाँ"

यहोवा यह कह रहे हैं कि बिच्छू पेड़ों और नमक की खानियाँ वास्तव में उस क्षेत्र के स्वामी होंगे जहाँ पहले मोआबियों और अम्मोनियों का निवास था। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक ऐसी जगह जहाँ केवल खरपतवार उगते हैं और लोग नमक के लिए खुदाई करते हैं और जहाँ कोई भी फिर कभी इमारतें नहीं बनाएगा।"

देखें: रूपक

सपन्याह 2:9 (#8)

"मेरी प्रजा के बचे हुए उनको लूटेंगे"

ये दोनों वाक्यांश मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। दूसरा वाक्यांश पहले के अर्थ को दोहराकर उसे अधिक स्पष्ट करता है। इब्री कविता इस प्रकार की पुनरावृत्ति पर आधारित थी, और आपके पाठकों को यह दिखाना अच्छा होगा कि आप दोनों वाक्यांशों को अपने अनुवाद में शामिल करें बजाय उन्हें मिलाने के। आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो सकता है कि वाक्यांशों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द से जोड़ें ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे लोगों का अवशेष उन्हें लूटेगा; वास्तव में, मेरे देश का शेष उन्हें अधिग्रहित करेगा।"

देखें: समानांतरता

सपन्याह 2:10 (#1)

"यह उनके गर्व का बदला होगा"

यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को उलट सकते हैं, क्योंकि दूसरा वाक्यांश उस परिणाम का कारण बताता है जिसका वर्णन पहला वाक्यांश करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि उन्होंने निन्दा की और सेनाओं के यहोवा के लोगों के खिलाफ खुद को महान बनाया, यह उनके गर्व का बदला होगा।"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

सपन्याह 2:10 (#2)

"यह उनके गर्व का बदला होगा"

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे मोआबियों और अम्मोनियों का **गर्व** सचमुच उनकी कोई वस्तु हो। वह ऐसे भी बोल रहे हैं जैसे कि जो विनाश वे अनुभव करने वाले हैं, वह भी कोई वस्तु हो और जैसे वह उनका गर्व छीनकर उसकी जगह उन्हें विनाश देने वाले हों। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह उनके साथ इसलिए होगा क्योंकि वे अत्यधिक गर्वित थे"

देखें: रूपक

सपन्याह 2:10 (#3)

"और उस पर बड़ाई मारी है"

देखें कि आपने 2:8 में "बड़ाई मारी है" का अनुवाद कैसे किया। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और सीमावर्ती क्षेत्रों को चुरा लिया" या "और घमण्ड किया कि वे क्षेत्र प्राप्त कर लेंगे"

देखें: मुहावरा

सपन्याह 2:10 (#4)

"सेनाओं के यहोवा"

देखें कि आपने पिछले पद में "सेनाओं के यहोवा" शीर्षक का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "सर्वशक्तिमान यहोवा"

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

सपन्याह 2:11 (#1)

"वह पृथ्वी भर के देवताओं को भूखा मार डालेगा"

सपन्याह इस तरह बोल रहे हैं जैसे यहोवा सचमुच अन्य जातियों के झूठे **देवताओं** को **भूखा** रखने जा रहे हैं, अर्थात् उन्हें भोजन से वंचित कर देंगे ताकि वे पतले हो जाएँ। यह सम्भवतः उन पशुओं की चर्बी का सन्दर्भ है जिन्हें लोग देवताओं को बलिदान करते थे। इसका तात्पर्य यह है कि लोग अब उन देवताओं को बलिदान नहीं देंगे क्योंकि वे अब उसकी उपासना नहीं करेंगे जब यहोवा यह दिखा देंगे कि वही एकमात्र सच्चे और शक्तिशाली परमेश्वर हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अपने शक्तिशाली कार्यों से दिखाएँगे कि वही एकमात्र सच्चे परमेश्वर हैं"

देखें: रूपक

सपन्याह 2:11 (#2)

"और जाति-जाति के सब द्वीपों के निवासी अपने-अपने स्थान से उसको दण्डवत् करेंगे"

सपन्याह इस स्वामित्व रूप का उपयोग **जाति-जाति** से सम्बन्धित **द्वीपों** का वर्णन करने के लिए नहीं कर रहे हैं, बल्कि जाति-जाति के बीच द्वीप-जाति का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं। **द्वीपों** शब्द न केवल भूमि का वर्णन कर सकता है जो पूरी तरह से पानी से घिरी होती है, बल्कि समुद्र तट के साथ भूमि का भी वर्णन कर सकता है। सपन्याह की संस्कृति में, लोग इस शब्द का उपयोग दूरस्थ भूमि का उल्लेख करने के लिए करते थे। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और यहाँ तक कि सबसे दूरस्थ जातियाँ भी उन्हें दण्डवत् करेंगे"

देखें: स्वामित्व

सपन्याह 2:11 (#3)

"और जाति-जाति के सब द्वीपों के निवासी अपने-अपने स्थान से उसको दण्डवत् करेंगे"

सपन्याह संसार की **जाति-जाति** के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वे जीवित प्राणी हों जो यहोवा को **दण्डवत् कर सकते** हैं। उनका मतलब है कि जातियों के लोग ऐसा करेंगे। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और सबसे दूरस्थ जातियों के लोग भी उनकी आराधना करेंगे"

देखें: मानवीकरण

सपन्याह 2:11 (#4)

"अपने-अपने स्थान से"

मूल भाषा में **उसके स्थान से एक पुरुष** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **अपने-अपने स्थान से उसको** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। वाक्यांश **एक पुरुष** एक व्यक्ति को सन्दर्भित करता है। इस सन्दर्भ में इसका अर्थ एक व्यक्तिगत देश या एक व्यक्तिगत व्यक्ति हो सकता है। यदि आप सपन्याह द्वारा जातियों को जीवित प्राणियों के रूप में दर्शाए गए चित्रण को बनाए रखते हैं, तो आप अपने अनुवाद में कह सकते हैं "प्रत्येक अपने-अपने क्षेत्र में।" यदि आप दिखाना चाहते हैं कि वह जातियों का उपयोग उनके लोगों का प्रतिनिधित्व करने के लिए कर रहे हैं, तो आप कह सकते हैं "सभी अपने-अपने क्षेत्रों में।"

देखें: मुहावरा

सपन्याह 2:12 (#1)

"हे कूशियों, तुम भी"

यह पद यहोवा का एक प्रत्यक्ष उद्धरण है। आप अपनी भाषा में प्रत्यक्ष उद्धरण प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका अपना सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहोवा यह भी घोषणा करते हैं, 'तुम, कूशी लोग'"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

सपन्याह 2:12 (#2)

"तुम भी मेरी तलवार से मारे जाओगे"

यहोवा कुशियों के बारे में तृतीय पुरुष में बात कर रहे हैं, लेकिन चूंकि वे उन्हें सीधे सम्बोधित कर रहे हैं, इसलिए आपकी भाषा में इसे द्वितीय पुरुष में अनुवाद करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "आप मेरी तलवार से छेदे जाएँगे"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

सपन्याह 2:12 (#3)

"तुम भी मेरी तलवार से मारे जाओगे"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं जो स्वाभाविक है। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरी तलवार आपको भेदेगी"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

सपन्याह 2:12 (#4)

"तुम भी मेरी तलवार से मारे जाओगे"

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे वे सचमुच कूशियों को **तलवार** से मारने जा रहे हों। उनका मतलब है कि वे एक शत्रु सेना को उनमें से कई को मारने के लिए प्रेरित करेंगे। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "एक शत्रु सेना आप में से कई को मार डालेगी"

देखें: रूपक

सपन्याह 2:13 (#1)

"वह अपना हाथ उत्तर दिशा की ओर बढ़ाकर"

ये दोनों वाक्यांश मूल रूप से एक ही बात का अर्थ रखते हैं। दूसरा वाक्यांश पहले के अर्थ को जोर देकर दोहराता है, लेकिन अलग शब्दों के साथ। आप अपने अनुवाद में दोनों वाक्यांश शामिल कर सकते हैं, लेकिन आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो सकता है कि वाक्यांशों को **और** के अलावा किसी अन्य शब्द के साथ जोड़ें ताकि यह दिखाया जा सके कि दूसरा वाक्यांश पहले को दोहरा रहा है, कुछ अतिरिक्त नहीं कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "और वह उत्तर की ओर अपना हाथ फैलाएँगे; हाँ, वह अश्शूर को नष्ट कर देंगे"

देखें: समानांतरता

सपन्याह 2:13 (#2)

"वह अपना हाथ ... बढ़ाकर"

देखें कि आपने "मैं अपना हाथ ...बढ़ाकर" वाक्यांश का 1:4 में कैसे अनुवाद किया। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे अपनी सामर्थ्य का उपयोग करेंगे"

देखें: लक्षणालंकार

सपन्याह 2:13 (#3)

"उत्तर दिशा"

सपन्याह **उत्तर दिशा** शब्द का उपयोग यहूदा के उत्तर में स्थित साम्राज्य, **अश्शूर**, के सन्दर्भ में कर रहे हैं, जैसा कि वे बाद में एक समानांतर वाक्यांश में संकेत करते हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह साम्राज्य जो यहाँ के उत्तर में स्थित है"

देखें: लक्षणालंकार

सपन्याह 2:14 (#1)

"उसके बीच में"

स्वामित्व सूचक सर्वनाम **उसके** नीनवे के नगर को सन्दर्भित करता है। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "नीनवे के मध्य में"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

सपन्याह 2:14 (#2)

"सब जाति के वन पशु झुण्ड"

सपन्याह किसी विशेष **जाति** का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। वे सामान्य रूप में जातियों की बात कर रहे हैं। सामान्यीकरण के रूप में वे **सब** को जोर देने के लिए कह रहे हैं। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना भी सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे विभिन्न प्रकार के झुण्ड होंगे, जो कई अलग-अलग जातियों में पाए जाने वाले पशुओं की किस्मों से बने होंगे।"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

सपन्याह 2:14 (#3)

"धनेश और साही दोनों"

सपन्याह किसी विशेष **धनेश** या **साही** का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका मतलब इन प्रकार के कई व्यक्तिगत पक्षियों से है। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूपों का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। सपन्याह इन दो प्रकार के मरूभूमि पक्षियों का प्रयोग सम्भवतः सामान्य रूप से मरूभूमि पक्षियों के लिए कर

रहें हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दोनों धनेश और साही" या "विभिन्न मरूभूमि पक्षी"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

सपन्याह 2:14 (#4)

"उसके खम्भों की कँगनियों पर ... बसेरा करेंगे"

अनुवादित शब्द **खम्भों** विशेष रूप से स्तम्भों के शीर्ष को सन्दर्भित करता है, जिन पर अक्सर अलंकृत सजावट होती थी। इसका तात्पर्य यह है कि एक सेना ने नीनवे की भव्य इमारतों को नष्ट कर दिया होगा ताकि केवल स्तम्भ खड़े रहें, और वे किसी छत का समर्थन नहीं कर रहे हैं, इसलिए उनके शीर्ष खुले हैं और पक्षियों के बैठने का स्थान प्रदान करते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा तो आप अपने अनुवाद में इसका संकेत दे सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "इसके नष्ट इमारतों के खुले स्तम्भों के शीर्ष पर बसेरा करेंगे"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

सपन्याह 2:14 (#5)

"और उसकी खिड़कियों में बोला करेंगे"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को उलट सकते हैं, क्योंकि दूसरा वाक्यांश उस कारण को बताता है जिसके परिणामस्वरूप पहला वाक्यांश वर्णन करता है। सपन्याह यह वर्णन कर रहे हैं कि नीनवे कितनी बुरी तरह से नष्ट हो जाएगी, इस तथ्य का उल्लेख करके कि इसकी सजावटी इमारतों के महंगे और विस्तृत **देवदार की लकड़ी** तत्व उजागर हो जाएँगे। वैकल्पिक अनुवाद: "क्योंकि नगर इतनी पूरी तरह से नष्ट हो जाएगा कि देवदार की लकड़ी नग्न हो जाएगी, एक पुकार खिड़की में गूंजेगी; विनाश दहलीज में होगा"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम सम्बन्ध

सपन्याह 2:14 (#6)

"और उसकी खिड़कियों में {आवाज} बोला करेंगे"

सपन्याह एक पक्षी की आवाज के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वह एक जीवित प्राणी हो जो स्वयं **बोल** सकता है। वह पक्षियों की आवाज का उपयोग स्वयं पक्षियों का प्रतिनिधित्व करने के लिए कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "पक्षी खिड़कियों में अपनी आवाजें सुनाएँगे"

देखें: मानवीकरण

सपन्याह 2:14 (#7)

"विनाश {दहलीज पर} होगा"

मूल भाषा में **विनाश दहलीज पर होगा** वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में **उसकी डेवढ़ियाँ सूनी पड़ी रहेंगी** वाक्यांश का प्रयोग हुआ है। यदि आपकी भाषा में **विनाश** के विचार के लिए कोई भाववाचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मलबा दरवाजों को अवरुद्ध कर देगा।"

देखें: भाववाचक संज्ञाएँ

सपन्याह 2:15 (#1)

"यह वही नगरी है, जो मगन रहती"

सपन्याह नीनवे के **नगरी** के बारे में इस तरह बात कर रहे हैं जैसे वह एक जीवित वस्तु हो जो आनन्दित हो सके, **सुरक्षा** में निवास कर सके, और बोल सके। उनका मतलब है कि नीनवे के लोग इन चीजों को कर चुके हैं। यदि आपकी भाषा में यह मददगार हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह वह नगर है जिसके लोग आनन्दित हुए, जिन्होंने सोचा कि वे सुरक्षा में निवास कर रहे हैं, जिन्होंने अपने दिलों में कहा, 'हम हैं, और हमारे अलावा कोई और नहीं है।'"

देखें: मानवीकरण

सपन्याह 2:15 (#2)

"और {हृदय में} सोचती थी"

मूल भाषा में यहाँ हृदय में शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी आई.आर.वी अनुवाद में इस शब्द का प्रयोग नहीं हुआ है। यहाँ **हृदय** विचारों का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जो अपने विचारों में कहता है, 'मैं हूँ, और मेरे अलावा कोई और नहीं है'" या "वह जो अपने आप से कहता है, 'मैं हूँ, और मेरे अलावा कोई और नहीं है'"

देखें: रूपक

सपन्याह 2:15 (#3)

"और {हृदय में} सोचती थी"

इस सन्दर्भ में, उद्धृत कथन का अर्थ है, "मैं ही एकमात्र नगर हूँ जो वास्तव में महत्वपूर्ण है; ऐसा है जैसे अन्य सभी नगरों का कोई अस्तित्व ही नहीं है।" यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में ऐसा कह सकते हैं।

देखें: मुहावरा

सपन्याह 2:15 (#4)

"और {हृदय में} सोचती थी"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "वह जो स्वयं से कहती है कि यह एकमात्र नगर है जो वास्तव में मायने रखता है, जैसे कि अन्य सभी नगर अस्तित्व में ही नहीं हैं" या "वह जिनके लोग स्वयं से कहते थे कि उनका नगर ही एकमात्र है जो वास्तव में मायने रखता है, जैसे कि अन्य सभी नगर अस्तित्व में ही नहीं हैं"

देखें: उद्धरणों के अन्दर उद्धरण

सपन्याह 2:15 (#5)

"अब यह उजाड़ ... बन गया है"

सपन्याह भविष्य में होने वाली किसी घटना का वर्णन करने के लिए भूतकाल का उपयोग कर रहे हैं। वह ऐसा यह दिखाने के लिए कर रहे हैं कि घटना निश्चित रूप से होगी। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप भविष्य काल का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यह कैसे खण्डहर बन जाएगा"

देखें: भविष्यसूचक भूतकाल

सपन्याह 2:15 (#6)

"पशुओं के बैठने का स्थान"

सपन्याह किसी विशेष **पशुओं** का उल्लेख नहीं कर रहे हैं। उनका आशय सामान्यतः पशुओं से है। आपकी भाषा में इस अर्थ को व्यक्त करने के लिए बहुवचन रूप का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "पशुओं के लिए एक अड्डा"

देखें: सामान्य संज्ञा वाक्यांश

सपन्याह 2:15 (#7)

"जो कोई इसके पास होकर चले, वह ताली बजाएगा"

नीनवे पर **हाथ हिलाएगा** और ताली बजाएगा ऐसे प्रतीकात्मक कार्य होंगे जो नगर के प्रति तिरस्कार व्यक्त करते हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इन कार्यों के महत्व को समझा सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हर कोई जो वहाँ से गुजरेगा, तिरस्कार में उस पर ताली बजाएगा; वह उपहास में अपना हाथ हिलाएगा।"

देखें: प्रतीकात्मक कार्य

सपन्याह 3:1 (#1)

"हाय बलवा करनेवाली और अशुद्ध"

सपन्याह अप्रत्यक्ष रूप से यरूशलेम **नगरी** का उल्लेख कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हाय यरूशलेम, जो बलवा करनेवाली और अशुद्ध और अंधेर से भारी हुई नगरी"

देखें: अनुमानित ज्ञान अंतर्निहित जानकारी

सपन्याह 3:1 (#2)

"बलवा करनेवाली और अशुद्ध"

जैसा कि इस अध्याय के सामान्य टिप्पणी में चर्चा किया गया है, यहाँ और पद 5 तक, सपन्याह यरूशलेम के **नागरी** के बारे में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वह एक व्यक्ति हो जो **बलवा** कर सकता है, जो **अशुद्ध** हो सकता है और जो कमजोर लोगों पर **अंधेर** कर सकता है। सपन्याह वास्तव में यरूशलेम के उन लोगों को संबोधित कर रहे हैं जो ये काम कर रहे हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे यहाँ और पद 2–5 में इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “हे यरूशलेम के लोगों, तुम जो यहोवा के विरुद्ध बलवा करते हो और अशुद्ध हो गए हो और दूसरों पर अत्याचार करते हो”

देखें: मानवीकरण

सपन्याह 3:1 (#3)

"बलवा करनेवाली और अशुद्ध"

यदि आपकी भाषा में **अशुद्ध... से भारी हुई** जैसी निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं होता है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “वह शहर जिसने बलवा किया है और खुद को अशुद्ध किया है और जिसने लोगों पर अत्याचार किया है” या “हे यरूशलेम के लोगों, तुम जो

यहोवा के विरुद्ध विद्रोह कर रहे हो और जिन्होंने खुद को अशुद्ध किया है और जो दूसरों पर अत्याचार कर रहे हो"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

सपन्याह 3:1 (#4)

"बलवा करनेवाली और अशुद्ध"

पद 1–7 में, जैसा कि यू.एल.टी. में दिखाया गया है, सपन्याह यरूशलेम नगर के लिए स्त्रीलिंग एकवचन सर्वनामों का उपयोग करते हैं। यह उनकी भाषा में पारंपरिक था। आपकी भाषा नगरों के लिए सर्वनामों के अलग लिंग का उपयोग कर सकती है। यदि आप पद 1–7 का अनुवाद इस प्रकार करते हैं जैसे सपन्याह सीधे शहर से एक व्यक्ति के रूप में बात कर रहे हैं, तो अपनी भाषा में जो सर्वनाम का लिंग सबसे स्वाभाविक है, उसका उपयोग करें। वैकल्पिक अनुवाद: "वह नगर जिसने बलवा किया और स्वयं को अशुद्ध किया"

देखें: सर्वनाम — उनका उपयोग कब करें

सपन्याह 3:2 (#1)

"उसने मेरी नहीं सुनी"

सपन्याह **सुनी** शब्द का उपयोग एक विशेष अर्थ "आज्ञा पालन" के रूप में कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह मेरी आवाज का पालन नहीं करती हैं"

देखें: मुहावरा

सपन्याह 3:2 (#2)

"उसने मेरी नहीं सुनी"

मूल भाषा में यह आवाज़ शब्द उपयोग किया गया है जिसका अर्थ हो सकता है: (1) यहोवा की आवाज़, अर्थात् वह संदेश जो यहोवा अपने भविष्यद्वक्ताओं के माध्यम से यरूशलेम के लोगों को दे रहे हैं, तथा लोगों को मन फिराने के लिए कह रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने यहोवा के मन फिराने के आदेश का पालन नहीं किया" (2) किसी भी व्यक्ति की आवाज़ जो नगर के लोगों को चेतावनी दे रहा है कि उनके दुष्ट व्यवहार के विनाशकारी परिणाम होंगे। वैकल्पिक अनुवाद: "वह किसी की भी नहीं सुनती जो उन्हें चेतावनी देने की कोशिश करते हैं"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

सपन्याह 3:2 (#3)

"वह अपने परमेश्वर के समीप नहीं आई"

सपन्याह यह कह रहे हैं कि यरूशलेम नगरी, अर्थात् उसके लोग, वास्तव में **परमेश्वर के समीप** आ सकते थे, अर्थात उस स्थान के करीब जा सकते थे जहाँ परमेश्वर थे। उनका तात्पर्य है कि उन्हें परमेश्वर की सच्चे दिल से आराधना करनी चाहिए थी। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अपने परमेश्वर की आराधना सच्चे दिल से नहीं करतीं"

देखें: रूपक

सपन्याह 3:3 (#1)

"उसके हाकिम"

मूल भाषा में यहाँ राजकुमारों शब्द उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में यहाँ हाकिम शब्द उपयोग हुआ है। 1:8 में देखें कि आपने "हाकिम" शब्द का अनुवाद कैसे किया। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके अधिकारी"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

सपन्याह 3:3 (#2)

"गरजनेवाले सिंह ठहरे"

सपन्याह यह कह रहे हैं जैसे यरूशलेम के **हाकिम** वास्तव में **गरजनेवाले सिंह** हों। उनका आशय यह है कि वे कमजोर लोगों की रक्षा करने के बजाय उनका शोषण करते हैं और उन्हें नुकसान पहुँचाते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप इस अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। आप इस छवि का अनुवाद एक तुलना के रूप में कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "नगर के कमज़ोर लोगों का शोषण करती और उन्हें नुकसान पहुँचाती है, जैसे गरजते हुए सिंह अपने शिकार पर झपटते हैं"

देखें: रूपक

सपन्याह 3:3 (#3)

"साँझ को आहेर करनेवाले भेड़िए हैं"

सपन्याह यह कह रहे हैं कि यरूशलेम के **न्यायी** वास्तव में **भेड़िए** जैसे हैं। जैसे उन्होंने शहर के हकीमों की तुलना शेरों से की है, उनका तात्पर्य है कि वे कमजोर लोगों की रक्षा करने के बजाय वे शोषण करते हैं और उन्हें हानि पहुंचाते हैं। **शाम के भेड़िये** से, सपन्याह का तात्पर्य है ऐसे भेड़िये जो पूरे दिन

भर भूखे रहे हैं और इसलिए भूख के कारण विशेष रूप से आक्रामक हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर बता सकते हैं। एक बार फिर, आपको इस चित्र को तुलना के रूप में अनुवाद करना उपयोगी होगा। वैकल्पिक अनुवाद: "नगर के कमजोर लोगों का भी शोषण करते हैं और उन्हें हानि पहुंचाते हैं, जैसे भूखे भेड़िये अपने शिकार पर हमला करते हैं।"

देखें: रूपक

सपन्याह 3:3 (#4)

"जो सवेरे के लिये कुछ नहीं छोड़ते"

सपन्याह नगर के **न्यायी** के बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वे **भेड़िए** हों। एक भेड़िया जब किसी जानवर को मारता है, तो उसका माँस खाने के बाद, उसकी हड्डियों को कुतरते और **कुछ नहीं छोड़ते** हैं ताकि अंदर का मज्जा निकाल सके। सपन्याह कह रहे हैं कि ये न्यायी ऐसे भेड़िये हैं जो शाम या रात में किसी जानवर को मारकर उसे एक बार में पूरा खा जाते हैं, और सुबह के लिए कुछ भी नहीं छोड़ते। अगर आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इसका अर्थ सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे कमजोर लोगों से सब कुछ छीन लेते हैं।"

देखें: रूपक

सपन्याह 3:4 (#1)

"व्यर्थ"

मूल भाषा में यहाँ हलके शब्द का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में यहाँ **व्यर्थ** शब्द उपयोग हुआ है जो की भविष्यद्वक्ता की व्यवहार को दर्शाता है। सपन्याह ऐसा कह रहे हैं जैसे यरूशलेम के **भविष्यवक्ता** वास्तव में **व्यर्थ** हैं, अर्थात् जैसे उनका महत्व बहुत कम है। उनका मतलब हो सकता है: (1) कि वे चरित्र में तुच्छ हैं और इसलिए जो वे कहते हैं वह गहरा या महत्वपूर्ण नहीं है। वैकल्पिक अनुवाद: “तुच्छ हैं” (2) कि उन्हें गलत काम करने से कोई नहीं रोकता, जैसे वह एक हल्की वस्तु हों जो उड़ सकती है या उड़ाई जा सकती है जिसे कोई भी रोक नहीं सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: “सिद्धांतहीन हैं” या “लापरवाह हैं”

देखें: रूपक

सपन्याह 3:4 (#2)

"भविष्यद्वक्ता व्यर्थ बकनेवाले और विश्वासघाती हैं"

विश्वासघाती वाक्यांश सपन्याह द्वारा वर्णित **भविष्यद्वक्ता** के बारे में अधिक जानकारी देता है। यह किसी अलग दल के लोगों का उल्लेख नहीं करता है। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप इसे अपने अनुवाद में इंगित कर सकते हैं। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: “वे विश्वासघात करनेवाले पुरुष हैं”

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अन्तर करना

सपन्याह 3:4 (#3)

"विश्वासघाती"

सपन्याह इस स्वामित्व रूप का प्रयोग विश्वासघात करने वाले पुरुषों का वर्णन करने के लिए नहीं, बल्कि उन पुरुषों का वर्णन करने के लिए कर रहा है जो आदतन **विश्वासघाती** हैं। इसका मतलब यह हो सकता है: (1) कि ये भविष्यवक्ता दूसरों का फ़ायदा उठाने के लिए उन्हें धोखा देते हैं और उनके साथ विश्वासघात करते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे दूसरों के साथ विश्वासघात करते हैं" (2) कि वे यहोवा के प्रति विश्वासयोग्य नहीं हैं, अर्थात, वे केवल वही संदेश नहीं बोलते जो यहोवा ने उन्हें दिया है। बल्कि वे ऐसे संदेश बोलते हैं जिन्हें वे यहोवा की ओर से कहकर प्रस्तुत करते हैं, परन्तु वास्तव में वे यहोवा की ओर से नहीं होते। वैकल्पिक अनुवाद: "वे केवल वही नहीं बोलते जो यहोवा ने उन्हें बताया है"

देखें: स्वामित्व

सपन्याह 3:4 (#4)

"पवित्रस्थान को अशुद्ध"

सपन्याह विशेषण **पवित्रस्थान** का उपयोग संज्ञा के रूप में कर रहे हैं, जिसका अर्थ एक निश्चित चीज़ या कई प्रकार की चीज़े हो सकती है। आपकी भाषा में भी विशेषणों का उपयोग इसी तरह किया जा सकता है। यदि नहीं, तो आप इस विशेषण का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। **पवित्रस्थान** शब्द का अर्थ हो सकता है: (1) मन्दिर, यहोवा की आराधना के लिए अलग किया गया एक पवित्रस्थान है। वैकल्पिक अनुवाद: "मंदिर के साथ ऐसा व्यवहार करना जैसे वह कोई साधारण स्थान हो।" (2) मंदिर के अतिरिक्त, सारे वस्त्र, बर्तन, और भोजन, जिन्हें याजकों के द्वारा यहोवा की आराधना में प्रयोग के लिए अलग किया गया था। वैकल्पिक अनुवाद: "उन विशेष वस्तुओं के साथ, जिन्हें आराधना में प्रयोग करना था, ऐसा व्यवहार करते हैं जैसे वे साधारण चीज़ें हों"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

सपन्याह 3:5 (#1)

"वह कुटिलता न करेगा"

यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट हो, तो आप इस दोहरे नकारात्मक का अनुवाद करने के लिए सकारात्मक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें नकारात्मक कण **न** और नकारात्मक शब्द **कुटिलता** शामिल है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे हमेशा वही करते हैं जो सही है"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

सपन्याह 3:5 (#2)

"वह अपना न्याय प्रति भोर प्रगट करता है"

मूल भाषा में प्रकाश शब्द उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद इसे भोर के रूप अनुवाद किया गया है और मूल भाषा में प्रति भोर शब्द दो बार उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में ये सिर्फ़ एक बार उपयोग हुआ है। **प्रकाश** शब्द का अर्थ हो सकता है: (1) भोर का प्रकाश। इस मामले में, सपन्याह जोर देने के लिए थोड़े अलग तरीकों से एक ही बात दो बार कह रहे होंगे। इब्रानी कविता इस प्रकार की पुनरावृत्ति पर आधारित थी। इसे दर्शाने के लिए, आप चाहे तो अपने अनुवाद में दोनों वाक्यांशों को मिलाने के बजाय उन्हें शामिल कर सकते हैं। यदि आप ऐसा करते हैं, तो एक संयोजक शब्द जोड़ना उपयोगी हो सकता है, जिससे यह पता चले कि दूसरा खंड पहले खंड को दोहरा रहा है, न कि कुछ अतिरिक्त कह रहा है। वैकल्पिक अनुवाद: "सुबह, सुबह वे अपना न्याय देते हैं; वास्तव में, भोर में वे नहीं चूकते" (2) दृश्यता, यह दर्शाते हुए कि यहोवा कैसे **न्याय** को स्पष्ट करते हैं। इस मामले में, वाक्यांश **भोर** पहले खंड पर लागू होगा न कि दूसरे वाक्यांश पर। वैकल्पिक अनुवाद: "सुबह, सुबह वे अपने न्याय को प्रकट करते हैं और वे नहीं चूकते" या "सुबह, सुबह वे अपने न्याय को स्पष्ट करते हैं; वास्तव में, वे ऐसा करने में विफल नहीं होते"

देखें: समानान्तरता

सपन्याह 3:5 (#3)

"प्रति भोर"

मूल भाषा में प्रति भोर शब्द दो बार उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में ये सिर्फ़ एक बार उपयोग हुआ है। सपन्याह **प्रति भोर** वाक्यांश को दोहराकर उस विचार को और भी गहराई से व्यक्त कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में वाक्यांशों को और भी स्पष्ट किया जा सकता है, तो आपको अपने अनुवाद में ऐसा करना उचित लग सकता है। आपकी भाषा में जोर देने का कोई अन्य तरीका भी हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "दिन-प्रतिदिन" या "हर सुबह"

देखें: पुनरावृत्ति

सपन्याह 3:5 (#4)

"प्रति भोर"

सपन्याह **भोर** शब्द का उपयोग एक दिन के अर्थ में कर रहे हैं, क्योंकि हर दिन की शुरुआत भोर से होती है। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "दिन-प्रतिदिन" या "हर दिन"

देखें: लक्षणालंकार

सपन्याह 3:5 (#5)

"वह अपना न्याय प्रति भोर प्रगट करता है"

यदि आपकी भाषा में **न्याय** के विचार के लिए कोई भाववचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह लोगों को बताते हैं कि न्यायपूर्वक कार्य कैसे करना है" या "वह घोषणा करते हैं कि क्या करना उचित होगा"

देखें: भाववचक संज्ञाएँ

सपन्याह 3:5 (#6)

"और चूकता नहीं"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह अनुपस्थित नहीं होते" या "वह प्रकट होने में कभी असफल नहीं होते"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

सपन्याह 3:5 (#7)

"और चूकता नहीं"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इस दोहरी नकारात्मकता का अनुवाद करने के लिए एक सकारात्मक अभिव्यक्ति का उपयोग कर सकते हैं, जिसमें नकारात्मक कण **नहीं** और नकारात्मक क्रिया **चूकता** शामिल हैं। दोहरी नकारात्मकता जोर व्यक्त करता है, और

आप उस जोर को व्यक्त करने के लिए एक अलग तरीके का चयन कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वह तत्परतापूर्वक प्रकट होते हैं"

देखें: दोहरी नकारात्मकताएँ

सपन्याह 3:5 (#8)

"परन्तु कुटिल जन को लज्जा आती ही नहीं"

सपन्याह विशेषण **कुटिल** का उपयोग संज्ञा के रूप में एक विशेष प्रकार के व्यक्ति को संदर्भित करने के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा में भी विशेषण का इस प्रकार उपयोग हो सकता है। यदि नहीं, तो आप इस विशेषण का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर भी जो लोग अधर्मी हैं, वे शर्म नहीं करते।"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

सपन्याह 3:5 (#9)

"परन्तु कुटिल जन को लज्जा आती ही नहीं"

यदि आपकी भाषा में **लज्जा** के विचार के लिए कोई भाववचक संज्ञा नहीं है, तो आप उसी विचार को किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "फिर भी जो लोग अधर्मी हैं, वे अपने कामों पर शर्मिंदा नहीं होते, जबकि उन्हें शर्मिंदा होना चाहिए"

देखें: भाववचक संज्ञाएँ

सपन्याह 3:6 (#1)

""मैंने अन्यजातियों को यहाँ तक नाश किया, कि उनके कोनेवाले गुम्मट उजड़ गए;"

यह यहोवा से एक प्रत्यक्ष उद्धरण की शुरुआत है जो पद 13 तक जारी रहता है। आप अपने अनुवाद में प्रत्यक्ष उद्धरण को प्रस्तुत करने के लिए एक स्वाभाविक तरीका उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा ने कहा है, ‘मैंने अन्यजातियों को यहाँ तक नाश किया है, कि उनके कोनेवाले गुम्मट उजड़ गए; मैंने उनकी सड़कों को यहाँ तक सूनी किया’”

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

सपन्याह 3:6 (#2)

""मैंने अन्यजातियों को यहाँ तक नाश किया, कि उनके कोनेवाले गुम्मट उजड़ गए;"

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे उन्होंने ये कार्य स्वयं किए हों, लेकिन उनका मतलब है कि जिस शत्रु सेना का उन्होंने पूरे पुस्तक में वर्णन किया है, उसने ये कार्य किए हैं। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “मैंने राष्ट्रों का नाश करने के लिए एक शत्रु सेना भेजा है, उनके कोनों को ध्वस्त कर दिया गया है; उस सेना ने उनकी सड़कों को नष्ट कर दिया है”

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

सपन्याह 3:6 (#3)

"नाश किया"

1:3 में देखें कि आपने "नाश किया" अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने नष्ट कर दिया है" या "मैंने नष्ट करने के लिए शत्रु सेना को भेजा है"

देखें: मुहावरा

सपन्याह 3:6 (#4)

"उनके कोनेवाले गुम्मट उजड़ गए"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने उनके कोनेवाले गुम्मट को ध्वस्त कर दिया है" या "उसने उनके कोनेवाले गुम्मट को ध्वस्त कर दिया है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

सपन्याह 3:6 (#5)

"उनके कोनेवाले"

1:16 में देखें कि आपने **कोनेवाले** का अनुवाद किस प्रकार किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके दीवारों के कोनों के ऊँची मीनारें को"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

सपन्याह 3:6 (#6)

"उनके नगर यहाँ तक नाश हुए कि"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उनके नगर खण्डहर पड़े हैं"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

सपन्याह 3:6 (#7)

""उनमें कोई मनुष्य वरन् कोई भी प्राणी"

ये दोनों वाक्यांश समान अर्थ रखते हैं। यहोवा इन्हें जोर देने के लिए एक साथ उपयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट होगा, तो आप जोर को एक ही वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: " वहाँ एक भी व्यक्ति नहीं रहता"

देखें: द्विरावृति (डबलेट)

सपन्याह 3:7 (#1)

""मैंने कहा, "अब तू मेरा भय मानेगी, और मेरी ताड़ना अंगीकार करेगी"

इस उद्धरण में, यहोवा पहले यरूशलेम नगर से सीधे द्वितीय पुरुष में बात करते हैं, और फिर वह उस नगर के बारे में तृतीय पुरुष में बात करते हैं। यदि यह आपके पाठकों को यहोवा के कहे को समझने में सहायता करेगा, तो आप पूरे उद्धरण को तृतीय पुरुष में अनुवादित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने कहा, 'वह निश्चित रूप से मुझसे डरेगी; वह सुधार स्वीकार करेगी। तब उनका निवास-स्थान उन सभी बातों के कारण नष्ट नहीं होगा जो मैंने उन पर की हैं।'"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

सपन्याह 3:7 (#2)

""मैंने कहा, "अब तू मेरा भय मानेगी, और मेरी ताड़ना अंगीकार करेगी"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप इसका अनुवाद कर सकते हैं ताकि उद्धरण के भीतर उद्धरण न हो। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने कहा कि वह निश्चित रूप से मुझसे डरेगी; वह सुधार स्वीकार करेगी। तब उसका निवास-स्थान उन सभी चीज़ों से नष्ट नहीं होगा जो मैंने उन पर डाला था"

देखें: उद्धरणों के अन्दर उद्धरण

सपन्याह 3:7 (#3)

""मैंने कहा, "अब तू मेरा भय मानेगी, और मेरी ताड़ना अंगीकार करेगी"

यहोवा यरूशलेम के नगर से और उसके बारे में ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वह एक व्यक्ति हो जो उनका **भय** मान सकती है और **ताड़ना अंगीकार** कर सकती है। वास्तव में, वह यरूशलेम में रहने वाले लोगों से और उनके बारे में बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। 3:1–5 में देखें कि आपने क्या किया। वैकल्पिक अनुवाद: "मैंने कहा कि यरूशलेम के लोग निश्चित रूप से मेरा भय मानेंगे; वे सुधार स्वीकार करेंगे। तब उनका निवास-स्थान उन सभी चीजों के कारण नष्ट नहीं होगी जो मैंने उन पर लाई थीं"

देखें: मानवीकरण

सपन्याह 3:7 (#4)

"जो मैंने ठहराया था"

1:8 में देखें कि आपने "दण्ड दूँगा" का अनुवाद किस प्रकार किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्हें दंडित करने के लिए मैंने जो कुछ भी किया है"

देखें: मुहावरा

सपन्याह 3:7 (#5)

""परन्तु वे सब प्रकार के बुरे-बुरे काम यत्न से करने लगे"

मूल भाषा में यहाँ वे जल्दी उठे वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में इससे दूसरे खण्ड के साथ सामान्य रूप से अनुवादित किया गया है। यहोवा इस **जल्दी उठे** अभिव्यक्ति का उपयोग यह बताने के लिए कर रहे हैं कि लोग भ्रष्ट काम करने के लिए उत्सुक थे। यह अभिव्यक्ति उस तरीके से आती है जिस तरह से लोग सुबह जल्दी उठकर कुछ करने के लिए उत्सुक होते हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक हो, तो आप इसका अर्थ स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने उत्सुकता से अपने सभी कामों को भ्रष्ट कर दिया"

देखें: मुहावरा

सपन्याह 3:7 (#6)

""परन्तु वे सब प्रकार के बुरे-बुरे काम यत्न से करने लगे"

मूल भाषा में यहाँ वे जल्दी उठे वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में इससे दूसरे खण्ड के साथ सामान्य रूप से अनुवादित किया गया है। यहोवा इसे बल देने के लिए सामान्यीकरण के रूप में कहते हैं। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप बल देने के लिए इसे किसी अन्य तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उन्होंने अपने कर्मों को और भी अधिक यत्न से भ्रष्ट किया।"

देखें: अतिशयोक्ति

सपन्याह 3:8 (#1)

""इस कारण यहोवा की यह वाणी है, “जब तक मैं नाश करने को न उठूँ, तब तक तुम मेरी बाट जोहते रहो"

1:2, 1:3, 1:10, और 2:9 में देखें कि आपने “यहोवा की यही वाणी है” वाक्यांश का अनुवाद किस प्रकार किया है। यदि आपने उन स्थानों पर उद्धरण को प्रस्तुत करने के लिए इसका उपयोग किया है, तो आप यहाँ भी वही करना चाह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “यहोवा यह घोषणा करते है: 'इसलिए मेरी प्रतीक्षा करो, जिस दिन में नाश करने के लिए उठ खड़ा होऊँ'।

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

सपन्याह 3:8 (#2)

"इस कारण यहोवा की यह वाणी है, “जब तक मैं नाश करने को न उठूँ, तब तक तुम मेरी बाट जोहते रहो"

आज्ञासूचक **बाट जोहते रहो** बहुवचन है, इसलिए यहोवा कुछ लोगों के समूह को संबोधित कर रहे हैं। वह समूह हो सकता है: (1) दुष्ट यहूदी जो यहोवा की चेतावनियों के बावजूद अभी भी उनकी अवज्ञा कर रहे हैं। उस स्थिति में, यहोवा **बाट जोहते रहो** वाक्यांश का उपयोग यह संकेत देने के लिए कर रहे होंगे कि वह निश्चित रूप से वही करेंगे जो वह वर्णन करते हैं। आपकी भाषा में भी "बाट जोहते रहो" शब्दों का उपयोग इसी अर्थ में किया जा सकता है। यदि नहीं, तो आप साधारण भाषा का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "'इसलिए, हे पापी यहूदियो, बस ठहरो!'—यहोवा की यही वाणी है —'एक दिन जल्द ही मैं नाश करने के लिए उठ खड़ा होऊँगा'" या “‘इसलिए हे पापी यहूदियो, आप निश्चिंत रहो’—यहोवा की यही घोषणा है—‘कि एक दिन मैं शीघ्र ही नाश करने के लिये उठूँगा’” (2) "पृथ्वी के सब नम्र लोगों" जिन्हें सपन्याह 2:3 में उल्लेख करता है। उस स्थिति में, यहोवा **बाट जोहते रहो** वाक्यांश का उपयोग उन्हें यह बताने के लिए कर रहे होंगे कि जब तक वह पाप को दंडित नहीं करते और न्याय लागू नहीं करते, तब तक धैर्य रखें। वैकल्पिक अनुवाद: "'इसलिए, हे धर्मी लोगों धैर्य रखें'—यहोवा की यही घोषणा है—'उस दिन तक जब मैं नाश करने के लिए उठूँ'"

देखें: मुहावरा

सपन्याह 3:8 (#3)

"जब तक मैं नाश करने को न उठूँ"

मूल भाषा में यहाँ दिन शब्द उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में यहाँ जब तक उक्ति का उपयोग हुआ है। "यहोवा एक विशेष दिन पर पापी राष्ट्रों को दंडित करने वाले हैं, तो वह यहाँ उस शब्द का उपयोग एक विशेष समय को संदर्भित करने के लिए कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "जब तक मैं उठूंगा तब तक"

देखें: मुहावरा

सपन्याह 3:8 (#4)

"नाश करने को"

मूल भाषा में यहाँ शिकार करने को वाक्यांश उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में यहाँ **नाश करने को** वाक्यांश उपयोग हुआ है। यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे वे एक शिकारी पशु हों और दुष्ट **जाति-जाति** और **राज्य-राज्य** जिन पर वे दंड लाने वाले हैं, शिकार हों जिन पर वह झपटने वाले हैं। (3:3 में, यह यरूशलेम के “हाकिम” को “सिंह” और उसके “न्यायी” को “भेड़िए” के रूप में वर्णित करने का संकेत हो सकता है, यह दर्शाते हुए कि जो दूसरों पर शिकार करते थे, वे स्वयं शिकार बन जाएँगे।) यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “दुष्ट लोगों को दंडित करने के लिए”

देखें: रूपक

सपन्याह 3:8 (#5)

"नाश करने को"

मूल भाषा में यहाँ शिकार करने को वाक्यांश उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में यहाँ **नाश करने को** वाक्यांश उपयोग हुआ है। **नाश करने को** वाक्यांश का **एक साक्षी के रूप में** भी अनुवाद किया जा सकता है। यदि यही अर्थ है, तो यहोवा ऐसे बोल रहे होंगे जैसे वे सचमुच खड़े होकर यह प्रमाण देने जा रहे हों कि इन राज्यों और राष्ट्रों ने उनके खिलाफ बुरी तरह पाप किया है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद मौजूद है, तो आप उस पाठ का उपयोग कर

सकते हैं जो वह उपयोग करता है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का अनुवाद मौजूद नहीं है, तो आप यू.एल.टी. के पाठ का उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “जैसे कि मैं आपके खिलाफ गवाही देने जा रहा था”

देखें: रूपक

सपन्याह 3:8 (#6)

"कि उन पर अपने क्रोध की आग पूरी रीति से भड़काऊँ"

मूल भाषा में यहाँ उँडेलूँगा शब्द उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में यहाँ **भड़काऊँ** शब्द उपयोग हुआ है जो की यहोवा के क्रोध की क्रिया को दर्शाता है। यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे उनका **क्रोध** एक तरल पदार्थ हो जिसे वे दुष्ट राष्ट्रों और राज्यों पर उँडेलने जा रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे रूप में व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “अपने क्रोध में उन्हें दण्डित करूँगा”

देखें: रूपक

सपन्याह 3:8 (#7)

"उन पर अपने क्रोध की आग पूरी रीति से भड़काऊँ"

मूल भाषा में इस वाक्यांश या खंड के लिये दो अलग-अलग वाक्यांश या खंड कानुपयोग किया गया है जबकि हिन्दी अनुवाद में यहाँ एक ही वाक्यांश या खंड का उपयोग किया गया है जो की यहोवा के क्रोध को दर्शाता है। **अपने क्रोध की आग** वाक्यांश यहोवा के **क्रोध** का एक और वर्णन है। 2:2 में देखें कि आपने इसी तरह की अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया है। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: “उन पर मेरा गुस्सा बहुत तीव्र है”

देखें: जानकारी देने और याद दिलाने में अंतर करना

सपन्याह 3:8 (#8)

""मेरी जलन की आग से"

देखें कि आपने 1:18 में समान अभिव्यक्ति का अनुवाद कैसे किया। जैसा कि सेनापति की सपन्याह की प्रस्तावना इंगित करती है, ये समानांतर कथन पुस्तक के प्रमुख खंडों के बीच की सीमाओं को चिह्नित करते हैं। आपके पाठकों के लिए उन्हें उसी तरह अनुवाद करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं अपनी जलन में उन्हें दंडित करते समय पृथ्वी पर रहने वाले सभी लोगों को नष्ट कर दूंगा।"

देखें: रूपक

सपन्याह 3:9 (#1)

""मैं देश-देश के लोगों से एक नई और शुद्ध भाषा बुलवाऊँगा,"

मूल भाषा में यहाँ ओंठ शब्द का उपयोग किया गया है जबकि हिन्दी अनुवाद में यह बुलवाऊँगा वाक्यांश का उद्योग हुआ है जो लोगो के बोलने को दर्शाता है। यहोवा **होंठ** शब्द का उपयोग बोलने की क्षमता के संदर्भ में कर रहे हैं। इसका अर्थ हो सकता है: (1) लोग बुरी बातें कह रहे थे क्योंकि उनका चरित्र बुरा था, लेकिन वह उनके चरित्र को शुद्ध करेंगे ताकि वे पवित्र बातें कह सकें। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं निश्चय ही लोगों को धार्मिक चरित्र प्रदान करूँगा ताकि वे शुद्ध बातें बोलें; तब वे मुझसे ग्रहणयोग्य रूप से प्रार्थना करेंगे" (2) कि अन्य देवताओं के नामों का आह्वान करके (जैसा कि 1:5 में वर्णित है), उन्होंने खुद को यहोवा से प्रार्थना करने के लिए अयोग्य बना दिया था, लेकिन वह उनकी बोलने की क्षमता को शुद्ध करेगा ताकि वे उससे प्रार्थना कर सकें। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं निश्चय ही लोगों की बोली को अन्य देवताओं के नामों की अशुद्धता से शुद्ध करूँगा ताकि वे मुझसे ग्रहणयोग्य रूप से प्रार्थना कर सकें"

देखें: लक्षणालंकार

सपन्याह 3:9 (#2)

"मैं देश-देश के लोगों से एक नई और शुद्ध भाषा बुलवाऊँगा"

मूल भाषा में यहाँ ओंठ शब्द का उपयोग किया गया है जबकि हिन्दी अनुवाद में यह बुलवाऊँगा वाक्यांश का उद्योग हुआ है जो लोगो के बोलने को दर्शाता है। क्योंकि यहोवा कई **लोगों** के बारे में बात कर रहे हैं, इसलिए आपकी भाषा में ओंठ का बहुवचन रूप उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं निश्चित रूप से लोगों को शुद्ध होठ प्रदान करूँगा"

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

सपन्याह 3:9 (#3)

"कि वे सब के सब यहोवा से प्रार्थना करें"

मूल भाषा में यहाँ नाम वाक्यांश उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में यहाँ यहोवा शब्द उपयोग किया गया है। यहाँ, **नाम (यहोवा)** व्यक्ति का प्रतीक है — जैसे हर व्यक्ति का एक नाम होता है। हालाँकि, इस उदाहरण में यह विचार भी है कि लोग परमेश्वर के रूप में स्वीकार करते हुए यहोवा को नाम

से पुकारेंगे (अर्थात, प्रार्थना करेंगे)। वैकल्पिक अनुवाद: “ताकि वे सब यहोवा से उसके नाम से प्रार्थना करें”

देखें: लक्षणालंकार

सपन्याह 3:9 (#4)

""यहोवा से,"

यहोवा अपने बारे में तृतीय पुरुष में बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे प्रथम पुरुष में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मेरे नाम से, मेरी सेवा करने के लिए"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

सपन्याह 3:9 (#5)

"कंधे से कंधा मिलाए"

यहोवा इस अभिव्यक्ति का उपयोग यह दर्शाने के लिए कर रहे हैं कि लोग एकजुट होकर उनकी सेवा करेंगे, जैसे कि वे सभी मिलकर कुछ भारी उठाने या धकेलने के लिए अपने कंधे साथ ला रहे हों। आपकी भाषा में एक समान अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका आप अपने अनुवाद में उपयोग कर सकते हैं। आप साधारण भाषा का भी उपयोग कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कंधे से कंधा मिलाकर” या “एक साथ”

देखें: मुहावरा

सपन्याह 3:10 (#1)

"कूश के नदी के पार से"

यहोवा सेनापति दूरस्थ स्थानों का उल्लेख करने के लिए **कूश के नदी** (ऊपरी नील क्षेत्र) के आसपास के क्षेत्र का उपयोग कर रहे हैं। यदि यह आपकी भाषा में सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: “कुश की नदियों के पार से भी दूर से” या “सबसे दूर के स्थानों से भी”

देखें: उपलक्षण

सपन्याह 3:10 (#2)

"मेरी तितर-बितर की हुई प्रजा"

मूल भाषा में यहाँ बेटी शब्द आया है जबकि हिन्दी अनुवाद में यहाँ **प्रजा** शब्द उपयोग किया गया है जो की परमेश्वर के लोगो को दर्शाती है। यहाँ पर **प्रजा** अभिव्यक्ति उन लोगों का वर्णन करती है जो एक विशेष दल का हिस्सा बनाते हैं। यहाँ जिस दल की बात हो रही है वह यहूदियों का देश है जो बँधुआई के माध्यम से कई अलग-अलग स्थानों में **तितर-बितर** हुए होंगे। वैकल्पिक अनुवाद: “मेरे बिखरे हुए देश के लोग”

देखें: मुहावरा

सपन्याह 3:10 (#3)

"मेरी तितर-बितर की हुई प्रजा"

मूल भाषा में यहाँ बेटी शब्द आया है जबकि हिन्दी अनुवाद में यहाँ **प्रजा** शब्द उपयोग किया गया है जो की परमेश्वर के लोगो को दर्शाती है। यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहूदी लोग, जिन्हें विजयी साम्राज्यों ने कई देशों में तीतर-बितर कर दिया होंगे।"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

सपन्याह 3:10 (#4)

"मेरे पास भेंट लेकर आएँगी"

चूँकि यहोवा इस बारे में बात कर रहे हैं कि कई लोग क्या **लेकर आएँगी**, यह आपकी भाषा में **भेंट** का बहुवचन रूप उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: “मेरी भेटों को लाएँगे” या “मेरे लिए भेटों को लाएँगे”

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

सपन्याह 3:11 (#1)

"तू अपने सब बड़े से बड़े कामों से जिन्हें करके तू मुझसे फिर गई थी, फिर लज्जित न होगी। उस समय मैं तेरे"

इस पद में **तू** और **तेरे** शब्द एकवचन हैं क्योंकि यहोवा यरूशलेम नगर से ऐसे बात कर रहे हैं जैसे वह एक व्यक्ति हो, जैसा कि उन्होंने 3:7 में किया था। चूँकि यहोवा वास्तव में यरूशलेम में रहने वाले लोगों से बात कर रहे हैं, यदि आपकी भाषा उस अंतर को दर्शाती है, तो आप अपनी भाषा में "तू/आप" और "तेरे/आपके" के बहुवचन रूपों का उपयोग कर सकते हैं।

देखें: 'आप' के प्रकार — एकवचन

सपन्याह 3:11 (#2)

"अपने अहंकार में आनन्द करते है"

यहोवा इस स्वामित्व रूप का उपयोग **आनन्द** या घमण्डी लोगों का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं जो यरूशलेम के शहर में अहंकार से भरे हुए हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "वे लोग जो अत्यधिक गर्व से घमंड कर रहे हैं"

देखें: स्वामीत्व

सपन्याह 3:12 (#1)

"तेरे बीच में"

पिछले पद में देखें कि आप "तू/आप" और "तेरे/आपका" के एकवचन का या बहुवचन रूप का उपयोग किया है। यहाँ भी उसी रूप का उपयोग करना सहायक होगा।

देखें: 'आप' के प्रकार — एकवचन

सपन्याह 3:12 (#2)

"दीन और कंगाल लोगों"

दीन और **कंगाल** शब्द समान अर्थ रखते हैं। यहोवा जोर देने के लिए इन दोनों शब्दों का एक साथ उपयोग कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट होगा, तो आप जोर को एक वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वास्तविक नम्र लोग"

देखें: द्विरावृति (डबलेट)

सपन्याह 3:12 (#3)

"और वे यहोवा के नाम की शरण लेंगे"

यहोवा अपने बारे में तृतीय पुरुष में बात कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप इसे प्रथम पुरुष में अनुवाद कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे मेरे नाम की शरण लेंगे"

देखें: प्रथम, द्वितीय या तृतीय पुरुष

सपन्याह 3:12 (#4)

"और वे यहोवा के नाम की शरण लेंगे"

यहाँ, **नाम** प्रत्येक व्यक्ति के नाम के साथ संबद्धता के माध्यम से एक व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे मुझ पर व्यक्तिगत रूप से विश्वास करेंगे।"

देखें: लक्षणालंकार

सपन्याह 3:13 (#1)

""और न झूठ बोलेंगे,"

और न झूठ बोलेंगे, और न उनके मुँह से छल की बातें निकलेंगी। चूंकि यहोवा कई लोगों के बारे में बोल रहे हैं, इसलिए आपकी भाषा में यहाँ बहुवचन रूपों का उपयोग करना अधिक स्वाभाविक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे झूठ नहीं बोलेंगे, और न ही उनके होंठों से छल की बातें निकलेंगी"

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

सपन्याह 3:13 (#2)

""और न झूठ बोलेंगे,"

ये दोनों वाक्यांश मूल रूप से बात का एक ही अर्थ रखते हैं। दूसरा वाक्यांश पहले के अर्थ को अलग शब्दों में वही विचार दोहराकर जोर देता है। आप अपने अनुवाद में दोनों वाक्यांशों को शामिल करके तथा उन्हें **और** के अलावा किसी अन्य शब्द से जोड़कर अपने पाठकों को यह दिखा सकते हैं।। वैकल्पिक अनुवाद: "वे असत्य नहीं बोलेंगे; नहीं, और न ही उनके होंठों से छल की बातें निकलेंगी।"

देखें: समानान्तरता

सपन्याह 3:13 (#3)

"और न उनके मुँह से छल की बातें निकलेंगी"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनके मुँह में किसी को छलपूर्ण होंठों नहीं मिलेगी"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

सपन्याह 3:13 (#4)

"और न उनके मुँह से छल की बातें निकलेंगी"

मूल भाषा में यहाँ पाई जाएगी वाक्यांश का उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में यहाँ **बातें निकलेंगी** वाक्यांश का उपयोग हुआ है। यहाँ **निकलेंगी** शब्द का अर्थ है कि कुछ नहीं मिलेगा क्योंकि वह वहाँ नहीं होगा। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और उनके मुँह में कोई भी धोखा देने वाली होंठ नहीं होगी।"

देखें: मुहावरा

सपन्याह 3:13 (#5)

"और न उनके मुँह से छल की बातें निकलेंगी"

मूल भाषा मे यहाँ जीभ और मुँह दो अलग-अलग शब्द उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में यहाँ एक ही शब्द मुँह का उपयोग हुआ है। यहोवा बोलने के लिए **जीभ (होंट)** और **मुँह** शब्दों का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और वे कोई भी छल की बातें नहीं कहेंगे"

देखें: लक्षणालंकार

सपन्याह 3:13 (#6)

"वे चरेंगे और विश्राम करेंगे, और कोई उनको डरानेवाला न होगा"

यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्वाभाविक होगा, तो आप इन वाक्यांशों के क्रम को उलट सकते हैं, क्योंकि दूसरा वाक्यांश उस परिणाम का कारण बताता है जिसे पहला वाक्यांश वर्णन करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और चूँकि कोई उन्हें डरानेवाला नहीं होगा, वे चरेंगे और विश्राम करेंगे।"

देखें: जोड़ें — कारण-और-परिणाम का संबंध

सपन्याह 3:13 (#7)

"वे चरेंगे और विश्राम करेंगे, और कोई उनको डरानेवाला न होगा।"

यहोवा इस्राएल के बचे हुए लोग के विषय में ऐसे बोल रहे हैं जैसे वे पशु हों जो **चरेंगे** और चराइयों में **विश्राम** करेंगे। उनका मतलब है कि वे शांति से जी सकेंगे, जैसे पशु बिना किसी बाधा के मैदान में चरते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लेकिन वे बिना किसी के परेशान किए जी सकेंगे"

देखें: रूपक

सपन्याह 3:14 (#1)

"ऊँचे," - "गा," - "आनन्द कर, और प्रसन्न हो"

आदेशों में निहित "तुम" **गा**, **आनन्द कर**, और **प्रसन्न हो** एकवचन है क्योंकि सपन्याह एक दल को ऐसे संबोधित कर रहे हैं जैसे वह एक अकेला व्यक्ति हो। आदेश में निहित "तुम" **ऊँचे** बहुवचन है क्योंकि सपन्याह एक दल को कई व्यक्तियों के रूप में संबोधित कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में एकवचन और बहुवचन "तुम" के बीच अंतर है और आप संबोधन के एकवचन और बहुवचन रूपों को बनाए रखने का निर्णय लेते हैं, तो अपने अनुवाद में वही एकवचन और बहुवचन रूपों का उपयोग करें। हालाँकि, इस पद के बाकी हिस्से पर दिए गए टिप्पणी देखें, जो पूरी पद में बहुवचन संबोधन के उपयोग की संभावना का सुझाव देते हैं।।

देखें: 'आप' के प्रकार — एकवचन

सपन्याह 3:14 (#2)

"सिय्योन की बेटी"

3:10 में देखें कि आपने **की बेटी** अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया है। यहाँ भी यह उन लोगों का वर्णन करता है जो एक निश्चित समूह बनाते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हे सिय्योन के लोगों"

देखें: मुहावरा

सपन्याह 3:14 (#3)

"सिय्योन की बेटी"

सिय्योन शब्द उस पर्वत का नाम है जिस पर यरूशलेम का नगर बसा हुआ था। सपन्याह इस नाम का उपयोग पूरे यहूदा राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए कर रहे हैं, जिसकी राजधानी यरूशलेम थी। वैकल्पिक अनुवाद: "हे यहूदा के लोगों"

देखें: नामों का अनुवाद कैसे करें

सपन्याह 3:14 (#4)

"इस्राएल"

सपन्याह कई लोगों को उनके देश के नाम **इस्राएल** से संबोधित कर रहे हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना

सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "हे इस्राएल के लोगों"

देखें: समूहवाचक संज्ञाएँ

सपन्याह 3:14 (#5)

"आनन्द कर, और प्रसन्न हो"

आनन्द कर और **प्रसन्न हो** शब्दों का अर्थ समान होता है। सपन्याह इन दोनों शब्दों का उपयोग जोर देने के लिए कर रहे हैं। यदि आपके पाठकों के लिए यह स्पष्ट होगा, तो आप जोर को एक ही वाक्यांश के साथ व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बहुत आनंदित हों"

देखें: द्विरावृति (डबलेट)

सपन्याह 3:14 (#6)

"अपने सम्पूर्ण मन से"

यहाँ **मन** भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह आपकी भाषा में अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "गहरी भावना के साथ"

देखें: रूपक

सपन्याह 3:14 (#7)

"यरूशलेम की बेटी"

इस पद के पहले में देखें कि आपने **की बेटी** अभिव्यक्ति का अनुवाद किस प्रकार किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "हे यरूशलेम के लोगों"

देखें: मुहावरा

सपन्याह 3:15 (#1)

""तेरा दण्ड;"

जैसा कि इस अध्याय के सामान्य टिप्पणी में चर्चा की गई है, इन उदाहरणों में और सामान्यतः पद 16–19 में "तेरा" और "तेरे" शब्द एकवचन हैं क्योंकि वे यरूशलेम को एक व्यक्ति के रूप में संबोधित कर रहे हैं। यदि आप एकवचन संबोधन बनाए रखने का निर्णय लेते हैं, तो अपने अनुवाद में एकवचन रूप का उपयोग करें यदि आपकी भाषा उस भेद को चिह्नित करती है, लेकिन यदि आप बहुवचन संबोधन का निर्णय लेते हैं तो बहुवचन रूपों का उपयोग करें।

देखें: 'आप' के प्रकार — एकवचन

सपन्याह 3:15 (#2)

"तेरा दण्ड"

सपन्याह इस स्वामित्व रूप का उपयोग **दण्ड** का वर्णन करने के लिए नहीं कर रहे हैं जो यरूशलेम के लोगों ने किए हैं, बल्कि उन निर्णयों का वर्णन करने के लिए कर रहे हैं जो **यहोवा** ने उनके खिलाफ किए हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "तुम्हारे खिलाफ़ उसके फैसले"

देखें: स्वामित्व

सपन्याह 3:15 (#3)

"इस्राएल का राजा"

एक अर्थ में यह सत्य है कि **यहोवा इस्राएल** के लोगों के **राजा** हैं। उनके परमेश्वर के रूप में, वे शासक हैं जिनकी आज्ञा उन्हें माननी चाहिए। लेकिन दूसरे अर्थ में, वे वह राजा नहीं हैं जो यरूशलेम के राजभवन से शासन करते हैं। आपके पाठकों के लिए इसे स्पष्ट करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "इस्राएल के शासक" या "वह परमेश्वर जिनकी इस्राएली आराधना और आज्ञा का पालन करते हैं"

देखें: रूपक

सपन्याह 3:16 (#1)

"उस दिन"

सपन्याह एक विशेष समय का उल्लेख करने के लिए **दिन** शब्द का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक हो, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "उस समय"

देखें: मुहावरा

सपन्याह 3:16 (#2)

"यह कहा जाएगा"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। कुछ भाषाएँ अनिश्चित सर्वनाम का उपयोग कर सकती हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "वे कहेंगे"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

सपन्याह 3:16 (#3)

""यरूशलेम से"

शब्द **तेरे** और आज्ञावाचक वाक्य **मत डर** में निहित "आप" यहाँ एकवचन हैं क्योंकि वे **सिय्योन** को एक व्यक्ति के रूप में संबोधित कर रहे हैं। हालाँकि, आदेशात्मक **ढीले न पड़ने** में निहित "आप" बहुवचन है क्योंकि यह सिय्योन को व्यक्तियों के एक दल के रूप में देखता है। आपने पद 16–19 में बहुवचन रूपों का उपयोग करने का निर्णय लिया हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद, बहुवचन रूपों का उपयोग करते हुए: "हे यरूशलेम के लोगों से, 'मत डरो, हे सिय्योन के लोगों! आप में से कोई भी अपने हाथ ढीले न करे'"

देखें: 'आप' के प्रकार — एकवचन

सपन्याह 3:16 (#4)

""हे सिय्योन मत डर"

ये दोनों वाक्यांश समान बातें व्यक्त करते हैं। जो लोग सिय्योन से बात कर रहे हैं, वे वाक्यांशों द्वारा व्यक्त विचार पर जोर देने के लिए पुनरावृत्ति का उपयोग कर रहे हैं। (वे उस तरीके का उल्लेख कर रहे हैं जिसमें किसी व्यक्ति के हाथ **ढीले** या लुंज-पुंज हो जाते हैं जब वह व्यक्ति डरता है।) यदि आपके पाठकों के लिए यह सहायक होगा, तो आप इन वाक्यांशों को मिला सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "हे सिय्योन, आपको भय के कारण दुर्बल होने की कोई आवश्यकता नहीं है"

देखें: समानांतरता

सपन्याह 3:17 (#1)

"वह अपने प्रेम के मारे चुप रहेगा"

चूँकि जो लोग यरूशलेम से बात कर रहे हैं, वे कहते हैं कि यहोवा **आनन्द** और **मगन** होंगे, वे यह नहीं कहना चाहते कि वह सचमुच **चुप रहेगा**। बल्कि, उनका मतलब है कि यहोवा अब यरूशलेम के खिलाफ दण्ड की आज्ञा और न्याय के वचन नहीं बोलेंगे। यदि यह आपके पाठकों के लिए सहायक होगा, तो आप अपने अनुवाद में इसे इंगित कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "अपने प्रेम के कारण,वह अब तुम्हारी निंदा करने के लिए नहीं बोलेगा"

देखें: अनुमानित ज्ञान और अन्तर्निहित जानकारी

सपन्याह 3:18 (#1)

""जो लोग नियत पर्वों में सम्मिलित न होने के कारण खेदित रहते हैं, उनको मैं इकट्ठा करूँगा,क्योंकि वे तेरे हैं;"

यह पद समझने में बहुत कठिन है। आधुनिक संस्करण इसे कई अलग-अलग तरीकों से अनुवादित करते हैं। यू.एल.टी. इसकी एक उचित व्याख्या प्रस्तुत करती है। यदि आपके क्षेत्र में बाइबल का कोई अनुवाद उपलब्ध है, तो जो वह व्यक्त करता है क्या आप उस व्याख्या का अनुसरण करना चाहेंगे। यदि आपके क्षेत्र में बाइबिल का कोई अनुवाद उपलब्ध नहीं है, तो आप यू.एल.टी. की व्याख्या का अनुसरण कर सकते हैं।

देखें: अनुमानित ज्ञान और अंतर्निहित जानकारी

सपन्याह 3:18 (#2)

"जो लोग नियत पर्वों में सम्मिलित न होने के कारण खेदित रहते हैं, उनको मैं इकट्ठा करूँगा, क्योंकि वे तेरे हैं"

यहोवा शायद एक प्रकार की आराधना, एक **नियत पर्वों में सम्मिलित**, का प्रयोग सामान्य आराधना के लिए कर रहे हैं। वह यरूशलेम के नगर को ऐसे संबोधित कर रहे हैं जैसे वह एक व्यक्ति हो, इसलिए **वे तेरे हैं** वाक्यांश यह स्पष्ट कर सकता है कि जो लोग **खेदित** हैं, वे यहूदी हैं जिन्हें बँधुआई में ले जाया गया और दुखी हैं क्योंकि वे अब यहोवा की आराधना में भाग नहीं ले सकते। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं उन यहूदियों को वापस लाऊंगा जिन्हें बँधुआई में ले जाया गया है, जो दुखी हैं क्योंकि वे मेरी सार्वजनिक आराधना में भाग नहीं ले सकते।"

देखें: उपलक्षण

सपन्याह 3:18 (#3)

"मैं इकट्ठा करूँगा"

यह यहोवा से एक प्रत्यक्ष उद्धरण की शुरुआत है जो पद 20 तक जारी रहता है। आप अपनी भाषा में प्रत्यक्ष उद्धरण को स्वाभाविक तरीके से प्रस्तुत कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यहोवा कहते हैं, 'मैं इकट्ठा करूँगा'"

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा

सपन्याह 3:18 (#4)

"उसकी नामधराई उनको बोझ जान पड़ती है"

यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे पराजित होने की **नामधराई** वास्तव में एक **बोझ** या भारी वजन हो जो यरूशलेम मुश्किल से उठा पा रहा था। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "यरूशलेम के लोगों के लिए पराजित होने का अपमान महसूस करना कष्टमय था"

देखें: रूपक

सपन्याह 3:19 (#1)

"और मैं लँगड़ों को चंगा करूँगा, और बरबस निकाले हुओं को इकट्ठा करूँगा,"

मूल भाषा में इस वाक्य में स्त्रीलिंग उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में इससे पुल्लिंग में अनुवादित किया गया है। **लँगड़ी** और **निकाली हुई** दोनों शब्द स्त्रीलिंग एकवचन हैं, यह सुझाव देते हैं कि यहोवा इन दोनों शब्दों का उपयोग यरूशलेम के लिए कर रहे हैं जैसे कि वह शहर एक महिला व्यक्ति हो। इस स्थिति में, यहोवा पुनरावृत्ति का उपयोग कर रहे होंगे ताकि इन वाक्यांशों द्वारा व्यक्त विचार को जोर दिया जा सके। संदर्भ वास्तव में यहूदा और यरूशलेम के लोगों के लिए होगा, जो अपने देश से बँधुआई के स्थान तक चलने की कठिनाई के कारण **लँगड़ों** या लंगड़ाते हुए होंगे और जिन्हें **निकाले हुओं** के रूप में वर्णित किया जा सकता है क्योंकि उन्हें उनके देश से ले जाया गया था। यह संकेत देना सहायक हो सकता है कि ये दोनों वाक्यांश एक ही विचार व्यक्त कर रहे हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं यहूदा के उन लोगों को बचाऊँगा जो घर से इतनी दूर चलने के कारण लँगड़ा रहे हैं; हाँ, मैं उन्हें बँधुआई से वापस लाऊँगा"

देखें: समानांतरता

सपन्याह 3:19 (#2)

"लँगड़ों को"

यहोवा विशेषण **लँगड़ों** का उपयोग संज्ञा के रूप में एक विशेष प्रकार के व्यक्ति को दर्शाने के लिए कर रहे हैं। आपकी भाषा भी विशेषणों का इसी तरह उपयोग कर सकती है। यदि नहीं, तो आप इस विशेषण का अनुवाद एक समकक्ष वाक्यांश के साथ कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "लँगड़े लोग" या "यहूदा के लोग जो घर से इतनी दूर चलने के कारण लँगड़ा रहे हैं"

देखें: संज्ञात्मक विशेषण

सपन्याह 3:19 (#3)

"बरबस निकाले हुओं"

यदि आपकी भाषा इस निष्क्रिय रूप का उपयोग नहीं करती है, तो आप इस विचार को सक्रिय रूप में या अपनी भाषा में किसी अन्य स्वाभाविक तरीके से व्यक्त कर सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "बँधुआई" या "यहूदा के वे लोग जिन्हें उनके शत्रुओं ने निर्वासित कर दिया है"

देखें: सक्रिय या निष्क्रिय

सपन्याह 3:19 (#4)

""उनकी प्रशंसा और कीर्ति सब कहीं फैलाऊँगा,"

यहोवा कुछ शब्दों को छोड़ रहे हैं जो कई भाषाओं में एक वाक्य को पूरा करने के लिए आवश्यक होते हैं। यदि आपकी भाषा में यह स्पष्ट होगा, तो आप संदर्भ से इन शब्दों को जोड़ सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं उन्हें प्रशंसा में बदल दूंगा, और मैं उनकी लज्जा को सारी धरती में यश और प्रतिष्ठा में बदल दूँगा"

देखें: पदलोप

सपन्याह 3:19 (#5)

"उनकी प्रशंसा और कीर्ति सब कहीं फैलाऊँगा"

मूल भाषा में यहाँ प्रशंसा को लौटाऊंगा वाक्य उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में यहाँ **प्रशंसा फैलाऊँगा** वाक्य उपयोग हुआ है। यहोवा ऐसे बोल रहे हैं जैसे वे सचमुच यहूदा के लोगों की **प्रशंसा** को **फैला** देंगे। यदि आपकी भाषा में यह अधिक स्पष्ट होगा, तो आप अर्थ को सीधे तौर पर कह सकते हैं। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं लोगों को उनकी प्रशंसा करने के लिए प्रेरित करूंगा"

देखें: रूपक

सपन्याह 3:19 (#6)

"और जिनकी लज्जा की चर्चा सारी पृथ्वी पर फैली है, उनकी प्रशंसा और कीर्ति सब कहीं फैलाऊँगा"

मूल भाषा में यहाँ नाम शब्द उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में जिनकी शब्द उपयोग हुआ है जो की लोगो की प्रतिष्ठा को दर्शाता है। यहाँ, **जिनकी** (नाम) एक दल की प्रतिष्ठा का प्रतिनिधित्व करता है। वैकल्पिक अनुवाद: "और मैं उन्हें पृथ्वी पर एक अच्छी प्रतिष्ठा प्रदान करूंगा, जो उनके वर्तमान में अनुभव किए जा रहे अपमान के विपरीत होगी।"

देखें: लक्षणालंकार

सपन्याह 3:20 (#1)

"मैं तुम्हें ले जाऊँगा"

जैसा कि इस अध्याय के सामान्य टिप्पणी संकेत करते हैं, इस पद में **तुम्हें**, **तुम्हारी**, और **तुम्हारे** शब्द बहुवचन हैं। यहोवा अब यहूदा के लोगों को एक दल के रूप में संबोधित कर रहे हैं। यदि आपने इस अध्याय में विभिन्न प्रकार के संबोधन को दिखाने के लिए अपने अनुवाद में एकवचन और बहुवचन रूपों का उपयोग किया है, तो आप स्पष्ट रूप से संकेत दे सकते हैं कि यहाँ संबोधन बहुवचन में बदल जाता है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं आप यहूदा के लोगों को लाऊँगा"

देखें: 'आप' के प्रकार — एकवचन

सपन्याह 3:20 (#2)

"तब पृथ्वी की सारी जातियों के बीच में तुम्हारी कीर्ति और प्रशंसा फैला दूँगा"

माल भाषा में यहाँ नाम शब्द उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में **तुम्हारी** शब्द उपयोग ही है। पिछले पद में देखें कि आपने **नाम** (तुम्हारी) शब्द का अनुवाद किस प्रकार किया है। वैकल्पिक अनुवाद: "मैं आपको पृथ्वी के सभी लोगों के बीच एक उत्तम प्रतिष्ठा प्रदान करूंगा, और वे आपकी प्रशंसा करेंगे।"

देखें: लक्षणालंकार

सपन्याह 3:20 (#3)

"मैं तुम्हारे सामने तुम्हारी समृद्धि को लौटा लाऊँगा"

मूल भाषा में यहाँ आँखें शब्द उपयोग हुआ है जबकि हिन्दी अनुवाद में यहाँ **सामने** शब्द उपयोग हुआ है जो देखने को दर्शाता है। यहोवा दृष्टि का अर्थ समझाने के लिए **सामने** शब्द का उपयोग कर रहे हैं। यदि आपकी भाषा में यह सहायक होगा, तो आप अर्थ को स्पष्ट रूप से बता सकते हैं। यहाँ एक नया वाक्य शुरू करना सहायक हो सकता है। वैकल्पिक अनुवाद: "आप व्यक्तिगत रूप से मेरे द्वारा आपकी संपत्ति को पुनः स्थापित होते हुए देखेंगे।"

देखें: लक्षणालंकार

सपन्याह 3:20 (#4)

"यहोवा का यही वचन है"

सपन्याह इस वाक्यांश का प्रयोग यह इंगित करने के लिए कर रहे हैं कि पद 18–20 उस संदेश का उद्धरण है जो यहोवा ने यहूदा के लोगों के लिए दिया था। (यह वाक्यांश "यहोवा की यह वाणी है" के समान अर्थ रखता है, जो पुस्तक में कई बार आता है।) अपनी भाषा में प्रत्यक्ष उद्धरण की पहचान करने के स्वाभाविक तरीकों पर विचार करें। आपके लिए यह अधिक स्वाभाविक हो सकता है कि आप इस कथन को यहोवा से जोड़कर संदेश की शुरुआत में रखें, अर्थात पद 18 की शुरुआत में, जैसा कि यू.एस.टी. करता है।

देखें: उद्धरण और उद्धरण सीमा